



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २९] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई १६, १९७७ (आषाढ़ २५, १८९९)
No. २९] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 16, 1977 (ASADHA 25, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate Pagings are given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग III—खण्ड ४

PART III—SECTION 4

विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिअधिसूचनाएं जिसमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

लेखा और व्यवस्था विभाग

बम्बई, दिनांक १६ जुलाई, १९७७

जो प्रतिभूतियां खो, आदि गयी हैं और जिनके सम्बन्ध में यह विश्वास करने के लिये प्रत्यक्षता आधार है कि वे खो गयी हैं और उनके आवेदकों का दावा व्यायपूर्ण है, उनकी निम्नलिखित (३१ मार्च १९७७ को समाप्त हुई तिमाही की) सूची का विज्ञापन लोक शृणु अधिनियम, १९४४ की धारा २८ के अधीन भारत सरकार द्वारा दावा दियी गयी और २० अप्रैल १९४६ के भारत के राजपत्र में प्रकाशित [दिनांक २९ अप्रैल १९५४ की अधिसूचना सं० एफ० (८) (७०)-बी०/५२ के अधीन सशोधित] की गयी नियमावली के नियम १८ के अनुसार इसके द्वारा किया जाता है। नीचे जिन सबधित दावेदारों के नाम दिये गये हैं उनको छोड़कर अन्य ऐसे सभी व्यक्तियों, जिनका इन प्रतिभूतियों पर कोई दावा हो, को चाहिए कि वे मुख्य लेखाकार, भारतीय रिजर्व बैंक, केन्द्रीय कार्यालय, लेखा और व्यवस्था विभाग, केन्द्रीय ऋण अनुभाग, बम्बई को तुरन्त सूचित करें।

सूची 'क'

प्रतिभूति की संख्या	मूल्य रु०/	किसके नाम जारी की गयी	किस दिनांक से ब्याज अनुलिपि जारी करने या जारी किये गये आदेशों
ग्राम			देय है
			भुगतान मूल्य की अदायगी की संख्या और दिनांक
			के लिए दावा करने वाले (लो) का (के) नाम

१	२	३	४	५	६
---	---	---	---	---	---

बम्बई सर्किल

चार प्रतिशत शृण, १९७७

*बी वाई ०००८७१ १०,०००/- भारतीय रिजर्व बैंक	१५ अक्टूबर १९७६	छुनबाई जे० नोबल, केस सं० एल-१६७१/
		दाराबाई जे० नोबल सी० ओ० डी० टी०
		और रस्तम जे० नोबल ए. डी. एम. एन० ३२/
		या इनमें से कोई एक ७६-७७ दिनांक १५
		दिसम्बर १९७६

1

2

3

4

5

6

साढ़े तीन प्रतिशत राष्ट्रीय योजना अट्ठ, 1964

*बीवाई 020415	1,000/-	भारतीय रिजर्व बैंक	19 अप्रैल 1954	कातिलाल हीराचंद शाह (स्वर्गीय हीराचंद नाथूराम शाह की संपत्ति के मित्राभार प्रमाणपत्र घारी)	केस सं० एल-1666, उप-प्रबंधक का आदेश सं० सी० ओ० 464 दिनांक 17 फरवरी, 1977
---------------	---------	--------------------	----------------	---	---

साढ़े छः प्रतिशत स्वर्ण बाण्ड, 1977

*बीवाई 046762	1,000/-	संतोकबेन नानजीभाई मेहता	12 नवम्बर 1964	हंसकुमारी आर० सोढा	केस सं० एल-1649, उप प्रबंधक का आदेश सं० 498 दिनांक 7 मार्च 1977
---------------	---------	-------------------------	----------------	--------------------	--

नयी दिल्ली संकिळ3 प्रतिशत परिवर्तन अट्ठ, 1946

डी एच 032826/28	100/-	उत्तर भारत स्थित युनाइटेड प्रत्येक चर्च की दोग्राहा चर्च कौसिल	16 सितम्बर 1969	उत्तर भारत स्थित युनाइटेड चर्च की दोग्राहा चर्च कौसिल	सं० एल० एन० 551 दिनांक 8 फरवरी 1977
डी एच 032829	5,000/-	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
डी एच 032830/31	2,000/- प्रत्येक	-वही-	16 मार्च 1970	-वही-	-वही-
डी एच 032832	200/-	-वही-	-वही-	-वही-	-वही-
डी एच 032833	1,000/-	-वही-	16 मार्च 1969	-वही-	-वही-

साढ़े तीन प्रतिशत राष्ट्रीय योजना बाण्ड, 1967 (तीसरी सीरीज़)

डी एच 000817	5,000/-	भारतीय रिजर्व बैंक	16 जनवरी 1964	गवर्नर्मेंट हाई स्कूल, सर्व-एरिया कन्यूमर्स को-आपरेटिव स्टोर लि०, सहरानपुर	सं० एल० एन० 552 दिनांक 11 फरवरी, 1977
--------------	---------	--------------------	---------------	--	---------------------------------------

मद्रास संकिळतीन प्रतिशत प्रथम विकास अट्ठ, 1970-75

@एम एस 022137	500/-	दि तिरुवन्मलै को-आपरेटिव लैंड मार्टेज बैंक लि०	15 अक्टूबर 1969	दि तिरुवन्मलै को-आपरेटिव प्रायमरी लैंड डेवलपमेंट बैंक लि०	उप प्रबंधक का आदेश सं० डीवाई० सीओ० 59/एलएन० 2115/77 दिनांक 25 जनवरी 1977
---------------	-------	--	-----------------	---	--

1

2

3

4

5

6

बंगलूर संकिळराष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बाण्ड, 1980 ('ए' सीरीज़)

*बी एल 000219 9 ग्राम बाबूलाल वसनजी मेहता 27 अक्तूबर 1973 बाबूलाल वसनजी मेहता प्रबंधक का आदेश सं० सी० श्री० 296
दिनांक 22 मार्च 1977

राष्ट्रीय रक्षा स्वर्ण बाण्ड, 1980 ('बी' सीरीज़)

*बी एल 000415 4 ग्राम बाबूलाल वसनजी मेहता 27 अक्तूबर 1973 बाबूलाल वसनजी मेहता प्रबंधक का आदेश सं० सी० श्री० 296
दिनांक 22 मार्च 1977

*तुरन्त अनुलिपि जारी करने और प्रोक्ष्यूट व्याज अदा करने का अधिकार दिया गया।

@ ३ वर्षों के बाद अनुलिपि जारी करने/भुगतान मूल्य अदा करने का अधिकार दिया गया।

के० सी० बनर्जी
मुख्य लेखाकार
भारतीय रिजर्व बैंक
केन्द्रीय कार्यालय
लेखा और व्यय विभाग
केन्द्रीय ऋण अनुभाग
बमई-400 001.

गैर-बैंकिंग कंपनी विभाग

कलकत्ता-700001, विनांक 20 जून 1977

संदर्भ सं० डी एन बी सी 38/डी० जी० (एच०)-77--
भारतीय रिजर्व बैंक यह विचार कर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है और इस बात से आश्वस्त होकर कि नीचे लिखे गये अनुसार निदेश देना इसलिए जरूरी है कि रिजर्व बैंक देश के हित के लिए ऋण प्रणाली को विनियमित कर सके, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45 अ, 45 ट और 45 ठ धारा प्रदत्त शक्तियों और इस उद्देश्य के लिए उस समर्थ बनाने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा समय-समय पर संशोधित विनांक 29 अक्तूबर 1966 की अधिसूचना सं० डी० एन बी सी० 1/ई डी० (एस)-66 में निहित पूर्व निदेशावली का अधिक्रमण करते हुए इसके द्वारा प्रत्येक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी को आगे निदिष्ट निदेश देता है।

भाग I-प्रारम्भिकलघु शीर्ष और निदेशों का प्रयास :-

ये निदेश गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशा-वली, 1977 के रूप में अभिहित होंगे। ये निदेश 1 जुलाई 1977 से अमल में आयेंगे और इन निदेशों में इनके प्रारम्भ की तारीख का जो कोई उल्लेख होगा उसका संबंध उक्त तारीख से माना जाएगा।

परिभाषाएँ :-

- (1) इन निदेशों में, जब तक कि प्रसंग अन्यथा अपेक्षा नहीं करता,
- (क) "बैंकिंग कंपनी" से बैंककारी विनियमन अधिनियम 1949 (1949 का 10) की धारा 5(ग) में परिभाषित बैंकिंग कंपनी अभिप्रेत है;
- (ख) "कंपनी" से भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ (क) में परिभाषित कंपनी अभिप्रेत है किन्तु फिलहाल अमल में रहने वाली किसी विधि के अधीन परिसमाप्त की जा रही कोई कंपनी शामिल नहीं है;
- (ग) "जमा" का वही सात्पर्य होगा जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ (ख) में उसके लिए निर्धारित है;
- (घ) "जमाकर्ता" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने कंपनी में राशि जमा की है;
- (झ) "निर्बाध प्रारक्षित निधियाँ" में शेयर प्रीमियम लेखे, पूँजीगत और डिवेंचर परिशोधन प्रारक्षित निधियों और किन्हीं दूसरी प्रारक्षित निधियों में जमा रहने वाली वह राशि शामिल होगी जो कंपनी के तुलनपत्र में दिखायी या प्रकाशित की गयी है और जो लाभों

- के आबंदन द्वारा निर्मित है। ये विधियाँ (i) किसी भावी देयता की चुकौती के लिए या अस्तियों के मूल्य हास या अशोध्य घटणों के लिए निर्मित प्रारक्षित निधि या (ii) कंपनी की अस्तियों के पुनर्मूल्यन द्वारा निर्मित प्रारक्षित निधि नहीं होती;
- (च) “किराया खरीद वित्त कंपनी” से ऐसी कोई कंपनी अभिप्रेत है जो वित्तीय संस्था है और जिसका प्रमुख कारोबार किराया खरीद लेन-देन करना या ऐसे लेन-देनों का वित्तपोषण करना है।
- (छ) “आवास वित्त कंपनी” से ऐसी कोई कंपनी अभिप्रेत है जो वित्तीय संस्था है और जिसका प्रमुख कारोबार मानों का अधिग्रहण या निर्माण करने और साथ ही उसके संबंध में जमीन का अधिग्रहण करने या भूखंडों को विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है;
- (ज) “बीमा कंपनी” से बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) की धारा 3 के अन्तर्गत किसी भी शेणी के बीमा कारोबार के लिए पंजीकृत कोई कंपनी अभिप्रेत है।
- (झ) “निवेश कंपनी” से ऐसी कोई कंपनी अभिप्रेत है जो वित्तीय संस्था है और जिसका प्रमुख कारोबार प्रतिभूतियों का अर्जन है;
- (ए) “अर्हण कंपनी” से ऐसी कोई कंपनी अभिप्रेत है जो वित्तीय संस्था है और जिसका प्रमुख कारोबार उसके अपने कारोबार को छोड़कर किसी अन्य कार्य के लिए वृण्ण, अतिरिक्त प्रदान कर या किसी अन्य रूप से वित्तीय व्यवस्था करना है परन्तु इसमें कोई किराया खरीद वित्त कंपनी या आवास वित्त कंपनी शामिल नहीं है;
- (ट) “पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी” से ऐसी कोई कंपनी अभिप्रेत है जो वित्तीय संस्था है और जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 620 के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित है;
- (ठ) “गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी” से कोई किराया खरीद वित्त कंपनी, आवास वित्त कंपनी, निवेश कंपनी, अर्हण कंपनी या पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी अभिप्रेत है परन्तु उसमें कोई बीमा कंपनी, स्टाक एक्सचेंज या स्टाक दलाली कंपनी शामिल नहीं है;
- (इ) “प्रतिभूतियों” से शेरर, स्टाक, वांड, डिवेंचर, डिवेंचर स्टाक या सरकार या स्थानीय प्राधिकारी द्वारा जारी की गयी प्रतिभूतियों या इसीं प्रकार की कोई अन्य विक्रय प्रतिभूतियों अभिप्रेत है;
- (उ) “स्टाक एक्सचेंज या स्टाक दलाली कंपनी” से कोई ऐसी कंपनी अभिप्रेत है जो प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 (1956 का 42) की धारा 4 की उपधारा (3) के अधीन अधिसूचित स्टाक एक्सचेंज है।

या कोई ऐसी दूसरी कंपनी अभिप्रेत है जिसका प्रमुख कारोबार दलाल या आड़तिये के रूप में प्रतिभूतियों का क्रय या विक्रय करना है।

- (ण) इसमें प्रयुक्त, किन्तु परिभाषित न किये गये और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) में परिभाषित किये गये शब्दों या अभिव्यक्तियों के बे तात्पर्य होंगे जो उनके लिए उक्त अधिनियम में निर्धारित किये गये हैं। इसमें या भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) में परिभाषित न किये गये किन्हीं दूसरे शब्दों या अभिव्यक्तियों के बे तात्पर्य होंगे जो उनके लिए कंपनी अधिनियम (1956 का 1) में निर्धारित किये गये हैं।
- (2) (क) यदि कोई ऐसा प्रश्न उठे कि क्या कोई कंपनी वित्तीय संस्था है या नहीं तो ऐसे प्रश्न पर रिजर्व बैंक द्वारा केन्द्रीय सरकार के परामर्श से निर्णय किया जाएगा।
- (ख) यदि कोई ऐसा प्रश्न उठे कि कोई ऐसी कंपनी जो वित्तीय संस्था है, किराया खरीद वित्त कंपनी, निवेश कंपनी, आवास वित्त कंपनी या अर्हण कंपनी है तो ऐसे प्रश्न पर रिजर्व बैंक द्वारा कंपनी के प्रमुख कारोबार तथा अन्य संबंधित तथ्यों पर विचार करते हुए निर्णय किया जाएगा।
3. कतिपय जमाराशियों पर निवेशों का लागू न होना :
- इस निवेशावली के 4 से 12 तक के अनुच्छेदों और अनुच्छेद 16 में निहित कोई बात गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी द्वारा प्राप्त की गयी निम्नलिखित जमाराशियों पर लागू नहीं होगी :—
- (i) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार से प्राप्त कोई रकम या किसी दूसरे स्रोत से प्राप्त कोई ऐसी रकम जिसकी वापसी अदायगी के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार ने गारंटी प्रदान की है या किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी विदेशी सरकार या किसी दूसरे विदेशी नागरिक प्राधिकारी या व्यक्ति से प्राप्त कोई रकम ;
- (ii) किसी बैंकिंग कंपनी या भारतीय स्टेट बैंक से या बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 51 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित किसी बैंकिंग संस्था से या बैंकिंग कंपनी (उपकरणों का अर्जन और अन्तरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 2 में परिभाषित तदनुसूच नये बैंक से; या भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 2 के खण्ड (खं ii) में परिभाषित किसी सहकारी बैंक से प्राप्त कोई रकम ;
- (iii) भारतीय औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) के अधीन स्थापित भारतीय औद्योगिक विकास बैंक, भारतीय कंपनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन स्थापित भारतीय

- (iii) श्रौद्योगिक शृण और निवेश, निगम लिमिटेड, श्रौद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) के अधीन स्थापित भारतीय श्रौद्योगिक वित्त निगम या भारतीय श्रौद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड; या जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) के अधीन स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम या राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) के अधीन स्थापित किसी राज्य वित्तीय निगम; या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम 1963 (1963 का 52) के अन्धीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट या भारतीय सामान्य बीमा निगम लिमिटेड या उसकी सहायक संस्थाओं या तमिलनाडु श्रौद्योगिक निवेश निगम या भारतीय राष्ट्रीय श्रौद्योगिक विकास निगम लिमिटेड; या नौकरी विकास निधि समिति या भारतीय पुनर्स्थापन उद्योग निगम लिमिटेड; या बिजली (पूर्ति) अधिनियम, 1948 के अधीन स्थापित किसी बिजली बोर्ड या भारतीय राज्य व्यापार निगम लिमिटेड; या ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड या भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम मिलमटेड या छृषि वित्त निगम लिमिटेड या महाराष्ट्र राज्य श्रौद्योगिक और निवेश निगम लिमिटेड; या गुजरात श्रौद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड या केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः स्वाधीकृत किसी वित्तीय संस्था या इस संदर्भ में रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित की जानेवाली किसी दूसरी वित्तीय संस्था से प्राप्त कोई शृण;
- (iv) किसी दूसरे कम्पनी से रिजर्व बैंक के पूर्व अनुमोदन के साथ प्राप्त कोई रकम;
- (v) पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कम्पनी द्वारा अपने शेयरधारियों से प्राप्त कोई रकम;
- (vi) किसी ऐसे व्यक्ति से प्राप्त कोई रकम जो रकम प्राप्त करते समय कम्पनी का निवेशक था या है या किसी निजी कम्पनी द्वारा जिसमें वह निजी कम्पनी भी शामिल है, जो कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 43अ के उपबंधों के कारण सार्वजनिक कम्पनी समझी जाती है, अपने शेयरधारियों से प्राप्त कोई रकम;
- परन्तु इस निदेशावली के प्रारंभ की तारीख को या उसके बाद आप्त किसी रकम के मामले में जिस व्यक्ति से रकम प्राप्त हो उसे रकम प्राप्त करते समय कम्पनी को इस आशय की एक लिखित घोषणा देनी होगी कि उसने वह राशि उन निधियों से नहीं दी है जो उसने किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराशि स्वीकार कर आप्त की है;
- (vii) कम्पनी के किसी कर्मचारी से जमानती जमा के रूप में प्राप्त कोई रकम;
- (viii) कम्पनी के कारोबार की अवधि के दौरान या कम्पनी के कारोबार के उद्देश्य से किसी अथ एजेंट, विक्रय एजेंट,

या किसी अन्य एजेंट से जमानत या अप्रिम के रूप में प्राप्त कोई रकम या वस्तुओं या माल की पूर्ति करने या कोई सेवा प्रदान करने से संबंधित आँड़रों के लिए प्राप्त अप्रिम रकम;

- (ix) कम्पनी की अचल संपत्तियों या उनके किसी अंश के बंधक द्वारा सुरक्षित डिबेंचर या बांड जारी कर जुटायी गयी कोई रकम या डिबेंचर या बांड इस विकल्प के साथ कि ऐसे डिबेंचरों या बांडों को ईक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तित किया जा सकता है, जारी कर जुटायी गयी कोई रकम;

परन्तु अचल संमतियों के बंधक द्वारा सुरक्षित डिबेंचरों या बांडों के मामले में ऐसे डिबेंचरों या बांडों की राशि ऐसी अचल संपत्तियों के बाजार मूल्य से अधिक नहीं होनी चाहिए;

- (x) किसी शेयरों या स्टाक के अभिदान के रूप में ऐसे शेयरों या स्टाक का आवंटन होने तक प्राप्त कोई रकम या इस अनुच्छेद के खंड (ix) में निर्दिष्ट डिबेंचरों या बांडों में अभिदान के रूप में ऐसे डिबेंचरों या बांडों का आवंटन होने तक, प्राप्त कोई रकम या कंपनी के अन्तर्नियमों के अनसार मांग पर अप्रिम शेयर राशि के रूप में प्राप्त कोई रकम जब तक कि ऐसी रकम कंपनी के अन्तर्नियमों के अन्तर्गत शेयरधारियों को प्रतिदेय न हो।

- (xi) न्याय में प्राप्त कोई रकम या पारेषण में रहने वाली रकम।

भाग II—जमाराशियों की स्वीकृति

4 पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनियों द्वारा जमाराशियों की स्वीकृति :

(1) 1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी अपने शेयरधारियों को छोड़ कर किसी दूसरे से जमाराशि स्वीकार नहीं करगी या किसी जमाराशि को नवीकृत नहीं करेगी।

(2) किसी श्रांका को दूर करने के लिए इसके जरिए यह घोषित किया जाता है कि कोई पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनी अपने शेयरधारियों से मांग या सूचना पर प्रतिदेय या कंपनी और उसके शेयरधारियों के बीच हुए किसी करार में निर्दिष्ट अवधि के बाद प्रतिदेय जमाराशि स्वीकार कर सकती है।

5 पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनियों को छोड़कर अन्य गैर बकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा जमाराशियों की स्वीकृति

(1) किराया खरीद वित्त, शृण और निवेश कंपनियों के लिए जमाराशियों की अवधि

1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई किराया खरीद वित्त, शृण या निवेश कंपनी एसी कोई जमाराशि स्वीकार नहीं

करेगी जो मांग या सूचना पर प्रतिदेय होया जो प्राप्त होने की तारीख से छः महीनों से कम या छत्तीस महीनों से अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय होया या उपर्युक्त तारीख से पहले या उसके बाद प्राप्त किसी जमाराशि को तब तक नवीकृत नहीं करेगी जब तक कि ऐसी जमाराशि नवीकृत किये जाने पर नवीकरण की तारीख से छः महीनों के पहले और छत्तीस महीनों के बाद प्रतिदेय न हो।

परन्तु जहाँ किराया खरीद विस या ऋण या निवेश कंपनी ने 1 जुलाई 1977 के पहले छत्तीस महीनों से अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय जमाराशियां स्वीकार की हों, वहाँ यदि इन निदेशों के अनुसरण में उक्त जमाराशियों को नवीकृत नहीं किया गया हो तो ऐसी जमाराशि को शर्तों के अनुसार उसे वापस श्रद्धा किया जाएगा।

परन्तु इस उप-अनुच्छेद में निहित कोई भी बात डिब्बेचरों का बांड जारी कर जुटायी गयी रकम के लिए लागू नहीं होगी।

(2) आवास वित्त कंपनियों के लिए जमाराशियों की अवधि

1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई आवास वित्त कंपनी ऐसी कोई जमाराशि स्वीकार नहीं करेगी या 1 जुलाई 1977 के पहले या बाद प्राप्त किसी ऐसी जमाराशि को नवीकृत नहीं करेगी जो मांग या सूचना पर प्रतिदेय होया या जो छः महीनों से कम या साठ महीनों से अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय होया या उपर्युक्त तारीख के पहले या उसके बाद प्राप्त किसी जमाराशि को तब तक नवीकृत नहीं करेगी जब तक ऐसी जमाराशि नवीकृत किये जाने पर नवीकरण की तारीख से छः महीनों के पहले और साठ महीनों के बाद प्रतिदेय न हो।

परन्तु जहाँ आवास वित्त कंपनी ने 1 जुलाई 1977 के पहले साठ महीनों से अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय जमाराशि स्वीकार की हो, वहाँ यदि इन निदेशों के अनुसरण में उक्त जमाराशि को नवीकृत नहीं किया गया हो तो ऐसी जमाराशि की शर्तों के अनुसार उसे वापस श्रद्धा किया जाएगा।

परन्तु इस उप-अनुच्छेद में निहित कोई भी बात डिब्बेचर या बांड जारी कर जुटायी गयी रकम के लिए लागू नहीं होगी।

(3) निर्धारित उच्चतम सीमाओं से अधिक जमाराशि या नवीकृत करने पर प्रतिबन्ध और पहले ही स्वीकृत तथा उच्चतम सीमाओं से अधिक मात्रा में रहनेवाली जमाराशियों का विनियमन।

(क) किराया खरीद वित्त कंपनियां

(i) 1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई किराया खरीद वित्त कंपनी ऐसी जमाराशि स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जो ऐसी जमाराशि स्वीकार या नवीकृत करने की तारीख के पहले ही प्राप्त और कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली किसी दूसरी जमाराशि के साथ उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के दस गुने से अधिक हो।

(ii) जहाँ किसी किराया खरीद वित्त कंपनी के पास 1 जलाई 1977 को कारोबार के प्रारंभ के समय उसकी शुद्ध

स्वाधिकृत निधियों के दस गुने से अधिक जमाराशियां हों, वहाँ वह ऐसी अतिरिक्त राशि के कम से कम एक तिहाई अंश को 1 अप्रैल 1978 के पहले और कम से कम दूसरे एक तिहाई अंश को अप्रैल 1979 के पहले और शेष अंश को 1 अप्रैल 1980 के पहले कम कर देगी।

(ख) ऋण कंपनियाँ

1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई ऋण कंपनी—

- (i) गैर जमानती डिब्बेचर पर कोई जमाराशि या शेयरधारी से कोई जमाराशि (जो अनुच्छेद 3 के खंड (vi) में उल्लिखित वह जमाराशि नहीं है जो गैर सरकारी कंपनी द्वारा अपने शेयरधारियों से स्वीकार की गयी हो) या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा गारंटीकृत जमाराशि जो ऐसी गारंटी देते समय कंपनी का निदेशक था या है, उस हालत में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि इस उप खंड में उल्लिखित सभी या किसी प्रकार की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली ऐसी अन्य जमाराशियों के साथ जो इस खंड के उप खंड (i) में उल्लिखित प्रकार की जमाराशि नहीं है, उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो;
- (ii) कोई ऐसी जमाराशि उस हालत में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि पहले ही प्राप्त और जमाराशि की स्वीकृत या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली ऐसी अन्य जमाराशियों के साथ जो इस खंड के उप खंड (i) में उल्लिखित प्रकार की जमाराशि नहीं है, उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो।

(ग) निवेश कंपनियाँ

(क) 1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई भी निवेश कंपनी—

- (i) गैर जमानती डिब्बेचर पर कोई जमाराशि या शेयरधारी से कोई जमाराशि जो (अनुच्छेद 3 के खंड (vi) में उल्लिखित वह जमाराशि नहीं है जो गैर सरकारी कंपनी द्वारा अपने शेयरधारियों से स्वीकार की गयी हो) या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा गारंटीकृत जमाराशि, जो ऐसी गारंटी देते समय कंपनी का निदेशक था या है, उस हालत में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि इस उपखंड में उल्लिखित सभी या किसी प्रकार की पहले ही प्राप्त की गयी और उक्त जमाराशि की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली जमाराशियों के साथ उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो।

(ii) कोई ऐसी जमाराशि उस हालत में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि पहले ही प्राप्त और जमाराशि की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहने वाली ऐसी अन्य जमाराशियों के साथ जो इस खंड के उप खंड (i) में उल्लिखित प्रकार की जमाराशि नहीं है, उसको शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो;

परन्तु यदि कंपनी द्वारा प्राप्त इस खंड के उप खंड (i) और (ii) में उल्लिखित प्रकार की और कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली कुल जमाराशियाँ 1 अप्रैल 1978 को कारोबार के प्रारंभ के समय उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पैंतीस प्रतिशत से अधिक हो।

(ख) 1 अप्रैल 1978 को और उस तारीख से कोई निवेश कंपनी किसी जमाराशि को उस हालत में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि पहले ही प्राप्त और ऐसी जमाराशियों की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली अन्य जमाराशियों के साथ उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पैंतीस प्रतिशत से अधिक हो।

परन्तु कंपनी द्वारा प्राप्त और कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली जमाराशि 1 अप्रैल 1979 को कारोबार के प्रारंभ के समय उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक न हो।

(ग) 1 अप्रैल 1979 को और उस तारीख से कोई निवेश कंपनी कोई जमाराशि उस हालत में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि पहले ही प्राप्त और ऐसी जमाराशियों की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहनेवाली अन्य जमाराशियों के साथ उसकी शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो।
व्याख्या

इस अनुच्छेद के प्रयोजनों के लिए “शुद्ध स्वाधिकृत निधियों से कंपनी के अद्यतन लेखा परीक्षित तुलन-पत्र में दर्शायी गयी कुल चुकाता पूंजी और निवादि प्रारंभित निधियों का तात्पर्य लिया जाएगा जिनसे उक्त तुलन-पत्र में दर्शायी गयी संचित हानि-शेष की राशि आस्थगित राजस्व व्यय और अन्य अगोचर प्रास्थियों (यदि कोई हों) को घटा दिया जाएगा।

6. पारस्परिक लाभवाली वित्तीय कंपनियों के संबंध में विशेष व्यवस्था

जहां किसी पारस्परिक लाभ वाली वित्तीय कंपनी के पास 1 जुलाई 1977 को कारोबार के प्रारंभ के समय अपने शेयर-धारियों से इतर अधिकारियों से प्राप्त जमाराशियाँ हैं, वहां ऐसी जमाराशियों को तस्संबंधी शर्तों के अनुसार वापस अदा कर दिया जाएगा।

7. जमाराशियों की अस्थर्थता करते हुए प्रस्तुत किये जानेवाले आवेदन-पत्रों में निर्देशनीय विवरण

1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से कोई गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी तब तक कोई जमाराशि स्वीकार, नवीकृत या परिवर्तित नहीं करेगी जब तक कि कंपनी द्वारा दिये जाने वाले फार्म में जमाकर्ता लिखित आवेदन प्रस्तुत न करे। उक्त फार्म में कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58 अ के अन्तर्गत बनायी गयी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियमावली, 1977 में निर्दिष्ट सभी विवरण हों।

8. जमाकर्ताओं को रसीद देना

(1) प्रत्येक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी ने इन निर्देशों के प्रारंभ की तारीख के पहले या बाद जमा राशि के रूप में जो रकम प्राप्त की है या प्राप्त करेगी, ऐसी प्रत्येक राशि के लिए वह प्रत्येक जमाकर्ता या उसके एजेंट को, यदि पहले ही कोई रसीद न दी गयी हो तो, रसीद देगी।

(2) उक्त रसीद किसी ऐसे अधिकारी द्वारा विधिकृत हस्ताक्षरित होगी जो इस संदर्भ में कंपनी की ओर से कार्रवाई करने के लिए अधिकृत हो और उस रसीद में जमाराशि की तारीख, जमाकर्ता के नाम, जमा के रूप में कंपनी द्वारा प्राप्त की गयी राशि, अक्षरों और अंकों में, उसपर देय ब्याज की दर और जमाराशि की प्रतिदेय तारीख का उल्लेख किया जाएगा।

9. जमाराशियों का रजिस्टर

(1) प्रत्येक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी एक या अधिक रजिस्टर रखेगा जिसमें/जिसमें प्रत्येक जमाकर्ता के मामले में निम्न-लिखित विवरण अलग-अलग दर्ज किए जायेंगे—

- (क) जमाकर्ता का नाम और पता,
- (ख) प्रत्येक जमा की तारीख और रकम,
- (ग) प्रत्येक जमा की अवधि और नियत तारीख,
- (घ) प्रत्येक जमा पर उपार्जित ब्याज या प्रीमियम की तारीख और रकम,
- (ङ) प्रत्येक वापसी अदायगी की तारीख और रकम जाहे वह अदायगी मूल जमा की हो या ब्याज अथवा प्रीमियम की हो,
- (च) जमा से संबंधित कोई अन्य विवरण।

(2) कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में उपर्युक्त रजिस्टर रखा जाएगा/ रखे जाएंगे और रजिस्टर में जिस जमाराशि के विवरण दिये गए हों उसकी वापसी अदायगी या नवीकरण से संबंधित अंतिम प्रविधित जिस वित्तीय वर्ष में की गई हो उसके आद कम से कम आठ कैलेंडर वर्षों की अवधि तक उस रजिस्टर/उन रजिस्टरों को अच्छी दशा में सुरक्षित रखा जाएगा।

परन्तु यदि कोई कंपनी, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उप धारा (1) में उल्लिखित लेखा बहियों को उक्त उप धारा के परंतुकृत के अनुसार अपने पंजीकृत

कार्यालय को छोड़ कर किसी दूसरे स्थान पर रखती है तो ऐसे दूसरे स्थान पर उक्त रजिस्टर का रखा जाना इस उप अनुच्छेद का पर्याप्त पालन होगा; वर्णने कि कंपनी उक्त उप धारा के परंतुक के अधीन रजिस्टर के प.स फाइल की गयी नोटिस की एक प्रतिनिधि इस प्रकार फाइल किए जाने के सात दिन के अंदर रिजर्व बैंक को भेज दे।

निवेशक मंडल की रिपोर्ट में सम्मिलित की जानेवाली जानकारी

(1) इन निदेशों के प्रारंभ की तारीख के बाद कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 217 की उप धारा (1) के अधीन सामान्य बैंक में कंपनी के समक्ष पेश की जानेवाली निवेशक मंडल की प्रत्येक रिपोर्ट में किसी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी के मामले में निम्नलिखित विवरण या जानकारी सम्मिलित की जाएगी अर्थात् :

(क) जमाकर्ता के साथ किये गए करार या इन निदेशों के उपबंधों में से जो भी लागू हो उसके/उनके अनुसार जिस तारीख को जमाराशि यथास्थित वापसी अदायगी किये जाने योग्य या नवीकरणीय हो तो हो उस तारीख के बाद कंपनी के जिन जमाकर्ताओं की जमा रकम का दावा जमाकर्ताओं ने नहीं किया हो या कंपनी द्वारा जिन जमाकर्ताओं की जमा रकम अदा नहीं की गयी हो उन जमाकर्ताओं की कुल संख्या, और

(ख) जमाकर्ताओं को देय और उपर्युक्त खंड (क) में उल्लिखित तारीखों के बाद दावा किए बिना या अदा किये बिना रहने वाली कुल रकम ।

(2) जिस वित्तीय वर्ष से रिपोर्ट संबंधित हो उसके अन्तिम दिन तक की स्थिति के संबंध में उक्त विवरण या जानकारी दी जाए और यदि पिछले उप-अनुच्छेद के खंड (ख) में उल्लिखित प्रकार से दावा किए बिना या वितरित किए बिना रहने वाली रकम कुल पांच लाख रुपयों से अधिक हो तो रिपोर्ट में जमाकर्ताओं को देय और दावा किए बिना या वितरित किए बिना रहने वाली रकम की अदायगी के लिए निवेशक मंडल द्वारा की गयी और किये जाने के लिए प्रस्तुतिकार्यवाहियों का एक विवरण भी जोड़ा जाए ।

11. जमाराशियों को वापस अदा करने के संबंध में सामान्य उपबंध

जहाँ कोई कंपनी जमाराशि की तारीख से छ: महीने की अवधि समाप्त होने के बाद किन्तु उस अवधि की समाप्ति से पहले जिसके लिए कंपनी द्वारा ऐसी जमाराशि स्वीकार की गयी थी, जमाराशि को वापस अदा करती है तो उस जमाराशि पर कंपनी द्वारा देय व्याज दर को उस दर से प्रतिशत कम कर दिया जाएगा जिसपर कंपनी सामान्यतया उस हालत में व्याज अदा करती जब कि जमाराशि उस अवधि के लिए जब तक चालू रही, स्वीकार की गयी होती और कंपनी घटायी गयी उक्त दर से अधिक किसी भी दर पर व्याज अदा नहीं करती ।

परंतु यदि उस अवधि की समाप्ति से पहले जिसके लिए कंपनी द्वारा ऐसी जमाराशि स्वीकार की गयी, किसी जमाराशि की वापसी अदायगी पर इस अनुच्छेद में निहित कोई बात लागू नहीं होगी

यदि ऐसी वापसी अदायगी के बाल इन निदेशों के उपबंधों के पालन के लिए की जाती है ।

व्याख्या

इस अनुच्छेद के उद्देश्य के लिए, जिस अवधि में जमाराशि जारी रही यदि वह वर्ष की कोई शाखा हो और वह भाग छ: महीने से कम हो तो उसे हटा दिया जाएगा और यदि वह भाग छ: महीने से उससे अधिक हो तो उसे एक वर्ष माना जाएगा ।

भाग III

किराया-खरीद वित्त और आवास वित्त

कंपनियों से संबंधित विशेष उपबंध

12. चल अस्तिथियों का न्यूनतम प्रतिशत बनाए रखना

प्रत्येक किराया खरीद वित्तकंपनी और प्रत्येक आवास वित्तकंपनी भारत में (क) 'अपने पास नकदी, या (ख) अनुशृण्खित बैंक के किसी खाते (किसी प्रकार या ग्रहणाधिकार से मुक्त), या (ग) भाररहित अनुमोदित प्रतिभूतियों (इस प्रकार की प्रतिभूतियों का मूल्य तस्मय प्रचलित उनके बाजार मूल्य के आधार पर निर्धारित किया जाएगा) के रूप में या अंशतः नकदी में, अंशतः ऐसे खाते में या अंशतः ऐसी प्रतिभूतियों के रूप में ऐसी राशि बनाए रखेगी जो किसी भी दिन का रोबार की समाप्ति के समय उस कंपनी की बहियों में उस दिन बकाया रहने वाली जमाराशियों के दस प्रतिशत से कम नहीं होगी ।

व्याख्या :

इस अनुच्छेद के उद्देश्य के लिए :

(क) "अनुमोदित प्रतिभूतियों" का तात्पर्य उन प्रतिभूतियों से है जिनमें कोई न्यासी भारतीय न्यास अधिनियम, 1882 (1882 का 2) की धारा 20 के खण्ड (क), खण्ड (ख) खण्ड (ख ख), खण्ड (ग), खण्ड (घ) या खण्ड (ठ) के अन्तर्गत धन का निवेश कर सकता है ।

(ख) "भाररहित अनुमोदित प्रतिभूतियों" में कंपनी द्वारा उस सीमा तक अग्रिम प्राप्त करने या किसी दूसरी ऋण व्यवस्था के लिए अन्य संस्था के पास रखी गयी अनुमोदित प्रतिभूतियों शामिल हैं जिस सीमा तक उन प्रतिभूतियों पर आहरण नहीं किया गया है या ऋण प्राप्त नहीं किया गया है,

(ग) जमा खातों में रहने वाली शेष राशियों को उस सीमा तक चल अस्तिथियों के रूप में समझा जाएगा या उस हिसाब में लिया जाएगा जिस सीमा तक ऐसे जमा खातों से राशियों का आहरण नहीं किया गया हो ।

भाग IV—विविध

13. रिजर्व बैंक को निवेशकों की रिपोर्ट के साथ पेश

किए जाने वाले तुलनपत्र और लेखों की प्रतियां

प्रत्येक गैर बैंकिंग कंपनी रिजर्व बैंक को सामान्य बैंक में कंपनी द्वारा पारित प्रत्येक वित्तीय वर्ष की अन्तिम तारीख तक का एक लेखा परीक्षित तुलनपत्र और उस वर्ष का लेखा परीक्षित

लाभ-हानि लेखा कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 217 (1) के अनुसार कंपनी के समक्ष प्रमुख की गयी निदेशक मंडल की रिपोर्ट की प्रतिलिपि के साथ ऐसी बैठक के बाद पंद्रह दिन के अंदर पेश करेगी, यदि उसने पहले ही पेश नहीं किया हो।

14 रिजर्व बैंक को पेश की जाने वाली विवरणियाँ

(1) अनुच्छेद 13 के उपबंधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, प्रत्येक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी इसके साथ सलगन पहली अनुसूची में उल्लिखित तारीखों तक की अपनी स्थिति के संबंध में उक्त अनुसूची में निर्दिष्ट जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक को एक विवरणी पेश करेगी।

(2) (1) प्रत्येक गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी इन निदेशों के अमल आने वा कारोबार के प्रारम्भ में होने, इनमें से जो भी बाद में हो, में एक महीने के अंदर निम्नलिखित सूची देते हुए एक लिखित विवरण रिजर्व बैंक को पेश करेगा—

(क) उसके प्रधान अधिकारियों के नाम और आधिकारिक पदनाम।

(ख) कंपनी ने निदेशकों के नाम और आवास के पते

(ग) उप-अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट विवरणियों पर कंपनी की ओर से हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत अधिकारियों के नमूना हस्ताक्षर।

(ii) यदि इस उप अनुच्छेद के खंड (i) में उल्लिखित सूची में कोई परिवर्तन हो तो उसे ऐसा परिवर्तन होने के एक महीने के भीतर रिजर्व बैंक को सूचित किया जाए।

15 गैर बैंकिंग कंपनी विभाग को पेश किया जाने वाला तुलनपत्र, विवरणियाँ आदि

इन निदेशों के अनुसरण में रिजर्व बैंक को जो तुलनपत्र, विवरणियाँ या जानकारी पेश की जानी या भेजी जानी चाहिए उन्हें/उसे रिजर्व बैंक के गैर बैंकिंग कंपनी विभाग के उप क्षेत्रीय कार्यालय को इसकी दूसरी अनुसूची में उल्लिखित प्रकार से पेश करना या भेजना चाहिए जिसके कार्यक्रम के भीतर कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

16 विज्ञापन के बदले विवरण

जहा कोई कंपनी आमतित किये बिना या किसी दूरारे व्यक्ति को आमतित करने दिये बिना या उसमें आमतित करवाये बिना जमाराशिया स्वीकार करना चाहती है वहा उक्त कंपनी जमाराशियों को स्वीकार करने से पहले विज्ञापन के बदले एक ऐसा विवरण जिसमें गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियमावली, 1977 के अनुसार विज्ञापन में देय अपेक्षित सभी न्यौरे दिये गये हो, और जो उपर्युक्त नियमावली में निर्दिष्ट प्रकार से विधिवत् हस्ताक्षरित हों, पंजीकरण के लिए भारतीय रिजर्व बैंक के गैर बैंकिंग कंपनी विभाग के उस क्षेत्रीय कार्यालय को पेश करेगी जिसके कार्यक्रम में उसका पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

17 छूट

यदि रिजर्व बैंक किसी कठिनाई को दूर करने के लिए या किसी दूसरे उचित और पर्याप्त कारण से ऐसा करना आवश्यक समझ तो वह सामान्य रूप से या किसी निर्दिष्ट अवधि के लाए ऐसी शर्तों के अधीन जो रिजर्व बैंक लगाये, इन निदेशों के सभी उपबंधों या किसी उपबंध का पालन करने की अवधि तो बढ़ा सकता है या किसी कंपनी वर्ग को उनमें/उससे छूट दे सकता है।

18 गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 के उल्लंघन के लिए की गयी वा की जाने वाली कार्रवाई वा वचाव

इसके द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि समय-समय पर मनोधित गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1966 के अधिकारण से निम्नलिखित पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा—

(i) उक्त निदेशावली के अन्तर्गत प्राप्त, उपार्जित या गृहीत कोई अधिकार, दायित्व या देयता,

(ii) उक्त निदेशावली के अधीन किसी उल्लंघन के लिए लगाया गया कोई जुर्माना, किया गया कोई समपहरण या लगाया गया कोई दंड,

(iii) उपर्युक्त अधिकार, विशेषाधिकार, दायित्व देयता, जुर्माने, समपहरण या दंड के संबंध में की गयी कोई जांच पड़ताल, वैधानिक कार्रवाई या उपचारात्मक कार्रवाई,

और कोई ऐसी जांच पड़ताल, वैधानिक कार्रवाई या उपचारात्मक कार्रवाई इस प्रकार की जाए, जारी की जाए या अमल में लाई जाए और इस प्रकार कोई जुर्माना लगाया जाए, समपहरण किया जाए या दंड लगाया जाए मानों इन निदेशों का कोई अधिकारण नहीं किया गया हो।

ग्राह० के० हजारी,
उप गवर्नर

पहली अनुसूची

(कृपया दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना स० डी०एन०बी०सी० 38/डी०जी० (एच०)-77 का अनुच्छेद 14/अधिसूचना स० डी० एन०बी०सी० 39/डी०जी० (एच०) 77 का अनुच्छेद II देखें)।

(यह फार्म विविध गैर-बैंकिंग कंपनियों सहित सभी गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों द्वारा भरा जाए)

भारतीय रिजर्व बैंक

गैर-बैंकिंग कंपनी विभाग

कलकत्ता/वंबड़ी/बंगलूर/नई दिल्ली

31 मार्च/30 सितंबर 197 —तक की विवरणी

(कृपया अनुदेश स० I देखें)

- (1) कंपनी का नाम
(2) उसको दी गई कूट स०

- (3) पूरा पता ——————
 (क) पंजीकृत कार्यालय—
 (ख) प्रधान/प्रशासकीय कार्यालय * ——————
- (4) किस राज्य में कंपनी पंजीकृत है ——————
- (5) शाखाओं/कार्यालयों की संख्या @ ——————
- (6) दर्जा : निजी/सार्वजनिक सीमित कंपनी/
 विदेशी कंपनी की शाखा
- (7) कंपनी की पंजीयन सं० ——————
- (8) (क) निगमन की तारीख ——————
 (ख) कारोबार के प्रारंभ की तारीख ——————
- (9) कंपनी का वित्तीय वर्ष ——————
- (10) कारोबार का स्वरूप ——————
- (11) कंपनी के बैंकर (रों) का (के) नाम
 और पता (पते) ——————
- (12) कंपनी के लेखा परीक्षकों का नाम और पता ——————

*जो लागू न हो उसे काट दें।

@जिन स्थानों पर कंपनी की शाखाएं/कार्यालय स्थित हैं उनके नाम तथा पते देते हुए एक सूची संलग्न की जाए।

टिप्पणी : यह विवरणी संकलित करने के बाद यथास्थिति दिनांक 20 जून, 1977 को अधिसूचना सं० डी० एन०बी०सी० 38/डी०जी०(एच)-77 के अनुच्छेद 15 सं० अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी० 39/डी०जी०(एच)-77 के अनुच्छेद 12 के निर्देशानुसार गैर बैंकिंग कंपनी की विभाग के संबंधित भेजीय कार्यालय को भेजी जानी चाहिए।

विवरणी भरने के लिए अनुदेश

1. यह विवरणी दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी० 38/डी०जी०(एच)-77 के अंतर्गत डी०एन०बी०सी०(एच)-77 के अंतर्गत आने वाली किसी गैर बैंकिंग कंपनी द्वारा 31 मार्च तक की अपनी स्थिति के संबंध में 30 जून के पहले वर्ष में एक बार और 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी० 39/डी०जी०(एच)-77 के अंतर्गत आने वाली किसी विविध गैर-बैंकिंग कंपनी द्वारा 31 मार्च और 30 सितम्बर तक की अपनी स्थिति के संबंध में क्रमांक: 30 जून और 31 दिसम्बर के पहले वर्ष में दो बार प्रस्तुत की जानी चाहिए चाहे संबंधित कंपनी के वित्तीय वर्ष की तारीख कुछ भी क्यों न हो।

2. विवरणी पेश किये जाने में वार्षिक लेखों की परीक्षा को अंतिम रूप देना/समाप्त करना जैसे किसी भी कारण से विलंब नहीं किया जाना चाहिए। कंपनी की लेखा बहियों में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर विवरणी संकलित की जानी चाहिए।

3. लेखों की संख्या वास्तविक अंकों में दी जानी चाहिए जब कि जमाराणियां हजार रुपयों में दी जानी चाहिए। राशि निकटतम हजार में पूरीकृत की जानी चाहिए और उसके

तीन शून्यों को छोड़ देना चाहिए। उवलहरण के लिए ₹ 4,560 को 5 के रूप में दिखाना चाहिए, न कि 4,6 या 5000 के रूप में।

4. जमाराणियों का अवधिवार वर्गीकरण जिन अवधियों के लिए वे मूलतः प्राप्त की गयी/अंत में नवीकृत की गयीं उनके अनुसार, न कि उन अवधियों के अनुसार जब उन्हें 31 मार्च/30 सितम्बर अर्थात् विवरणी की तारीख/तारीखों से जारी रहना चाहिए, विवरणी के भाग अ की मद सं० 9 में विभिन्न शीर्षों के अंतर्गत किया जाना चाहिए। जहां तक दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी०- 39/डी०जी०(एच)-77 के अनुच्छेद 2(1) में उल्लिखित प्रकार का कारोबार करने वाली कंपनियों द्वारा प्राप्त अभिदानों का संबंध है, उन विभिन्न योजनाओं के जारी रहने की अवधि का उल्लेख जिनके अंतर्गत अभिदान प्राप्त हुए हों, भाग अ की मद सं० 9 में उपर्युक्त शीर्षों के अंतर्गत किया जाना चाहिए।

5. भाग इ की मद 1 के अंतर्गत उल्लिखित “निर्बाध प्रारक्षित निधि” में निम्नलिखित सम्मिलित होंगी: शेयर प्रीमियम खाते में रहने वाली बकाया राशि, प्रारक्षित पूँजी और डिवॉर्चर शोधन निधि और तुलन पत्र में दर्शायी या प्रकाशित की गयी और लाभों के आंकटन के जरिए निर्मित कोई ऐसी प्रारक्षित निधि परन्तु जो

- (i) किसी भावी देयता की अदायगी के लिए या अस्तियों में हुए मूलहास या अशोध ऋणों के लिए निर्मित प्रारक्षित निधि, या

- (ii) कंपनी की अस्तियों के पुनर्मूल्य से निर्मित प्रारक्षित निधि न हो।

6. दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० डी० एन० बी० सी० 38/डी०जी०(एच)-77 के अनुच्छेद 14 (2)/अधिसूचना सं० डी०एन०बी०सी० 39/डी०जी०(एच)-77 के अनुच्छेद 11 (2) की अपेक्षानुसार यथास्थिति, कम्पनी के मुख्य अधिकारियों के नामों और आधिकारिक पदनामों तथा निदेशकों के नामों और पतों की एक सूची रिजर्व बैंक को यदि पहले ही नहीं भेजी गई हो तो संलग्न की जाए।

7. इस विवरणी पर प्रबंधक (जैसा कि कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 2 में परिभासित है) को हस्ताक्षर करने चाहिए और यदि ऐसा कोई प्रबंधक न हो तो उस पर प्रबंध निदेशक या कंपनी के किसी ऐसे दूसरे अधिकारी को हस्ताक्षर करने चाहिए जिसे निदेशक मंडल ने इस प्रयोजन के लिए विधिवत् प्राधिकृत किया हो और जिसके नमूना हस्ताक्षर रिजर्व बैंक को प्रस्तुत किए गए हों। यदि निर्धारित कार्ड में नमूना हस्ताक्षर प्रस्तुत न किए गए हों, तो विवरणी पर प्राधिकृत अधिकारी हस्ताक्षर करें और उसके नमूना हस्ताक्षर ग्रलग से प्रस्तुत किए जाएं।

8. यदि विवरणी के किसी भी भाग में सूचित करने के लिए कोई विवरण न हो तो वहां 'कुछ नहीं' लिख किया जाए और विवरणी में दिये गए प्रबंधक/प्रबंध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के के प्रमाणपत्र पर विधिवत् हस्ताक्षर किये जाएँ।

भाग "आ"

31 मार्च/30 सितंबर 19 को बकाया रहनेवाली जमाराशियों के विवरण

मद सं०	व्यौरा	खातों की संख्या (हजार रुपयों में)	राशि
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	गैर जमानती डिबेंचर [परिवर्तनीय या जमानती डिबेंचरों (निम्नांकित टिप्पणी (1) देखें) से भिन्न]	-----	-----
2.	सार्वजनिक कंपनी द्वारा अपने शेयरधारियों से प्राप्त अधिकार (निम्नांकित टिप्पणी (2) देखें)	-----	-----
3.	निदेशकों द्वारा अपनी निजी हैसियत में गारंटी कृत जमाराशियां	-----	-----
4.	जोड़ (1+2+3)	-----	-----
5.	दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० डी० एन०बी०सी० 39/डी० जी० एन०-77 के अनुच्छेद 2(1) में उल्लिखित "इनामी योजना" के अंतर्गत प्राप्त रकम	-----	-----
6.	कोई अन्य जमाराशियां (निम्नांकित टिप्पणी (3) और भाग 'आ' की टिप्पणी (1) देखें)	-----	-----
7.	जोड़ (5+6)	-----	-----
8.	कुल जमाराशियां (4+7)	-----	-----
9.	उपर्युक्त 8 में उल्लिखित कुल जमाराशियों में से निम्नलिखित जमाराशियां :	-----	-----

(1)	(2)	(3)	(4)
(i)	मांग पर या सूचनापर या अन्यथा 6 महीनों से कम अवधि में प्रतिदेय	-----	-----
(ii)	6 महीनों या अधिक अवधि के बाद परन्तु 1 वर्ष तक प्रतिदेय	-----	-----
(iii)	1 वर्ष या अधिक अवधि के बाद परन्तु 2 वर्षों तक प्रतिदेय	-----	-----
(iv)	2 वर्षों या अधिक अवधि के बाद परन्तु 3 वर्षों तक प्रतिदेय	-----	-----
(v)	3 वर्षों या अधिक अवधि के बाद परन्तु 4 वर्षों तक प्रतिदेय	-----	-----
(vi)	4 वर्षों या अधिक अवधि के बाद परन्तु 5 वर्षों तक प्रतिदेय	-----	-----
(vii)	5 वर्षों से अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय	-----	-----
10.	जोड़ [9.(i) से (vii) तक] जो उपर्युक्त 8 के बराबर होना चाहिए	-----	-----
11.	उपर्युक्त 8 में दी गयी कुल जमाराशियों में से वे जमाराशियां जो निम्नप्रकार ब्याज मुक्त हैं (यदि कोई दलाली हो तो उसे छोड़कर)*	-----	-----
(i)	ब्याज मुक्त	-----	-----
(ii)	6 % से कम	-----	-----
(iii)	6 % या अधिक परन्तु 9 % से कम	-----	-----
(iv)	9 % या अधिक परन्तु 11 से कम	-----	-----
(v)	11 % या अधिक परन्तु 13 से कम	-----	-----
(vi)	13 या अधिक परन्तु 15 से कम	-----	-----

(1)	(2)	(3)	(4)
		(vii) 15% या अधिक	
12.	जोड़ [11(i) से (vii) तक] जो उपर्युक्त 8 के बराबर होना चाहिए		

*विभिन्न प्रकार के जमाराशियों पर उनकी अवधि अर्थात् एक वर्ष, दो वर्ष आदि के अनुसार दी जानेवाली व्याज दरों को दर्शने वाला एक विवरण भी विवरणी के इस भाग के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

- टिप्पणी: (1) जो डिवेंचर अंशतः परिवर्तनीय और अंशतः अपरिवर्तनीय हैं उनके अपरिवर्तनीय अंश की राशि इस मद के अंतर्गत सम्मिलित की जाए और परिवर्तनीय अंश की राशि भाग 'आ' की मद 10 के अंतर्गत दर्शायी जाए।
- (2) यदि कंपनी सार्वजनिक कंपनी है और उसके निवेशकों से भाग आ की टिप्पणी (2) में निर्दिष्ट घोषणा प्राप्त नहीं की गयी है तो ऐसी जमाराशियों को इस मद के अंतर्गत दर्शाया जाए।
- (3) यदि कंपनी निजी कंपनी है और भाग आ की टिप्पणी (2) में निर्दिष्ट घोषणा प्राप्त नहीं की गयी है तो ऐसी जमाराशियों को इस मद के अंतर्गत दर्शाया जाए।
- (4) भाग आ में दर्शायी गयी जमाराशियों को भाग आ में सम्मिलित न किया जाए।

भाग—"आ"

31मार्च/30 सितंबर 1977—को विद्यमान (दिनांक 20 जून 197 की अधिसूचना संख्या डी० एन०बी०सी०.38/झी०जी० (एच०)-77 और डी०एन०वी०सी० 39/झी०जी० (एच०)-7 के क्रमशः अनुच्छेद 3 और 4 देखें) उन छूट प्राप्त उधारों, प्राप्तियों आदि के विवरण जिन्हें जमाराशियों के रूप में नहीं माना गया है।

मद सं०	ब्यौरे	खातों की संख्या	राशि (हजार रु० में)
(1)	(2)	(3)	(4)

1. केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार (रों) से प्राप्त रकम या दूसरों से प्राप्त ऐसी रकम जिसकी वापसी अदायगी के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार (रों) ने गारंटी दी है।

(1)	(2)	(3)	(4)
2. स्थानीय प्राधिकारी या विदेशी सरकार या किसी दूसरे विदेशी नागरिक, प्राधिकारी या व्यक्ति से प्राप्त रकम			
3. बैंकों एवं अन्य निर्दिष्ट वित्तीय संस्थाओं से लिए गए उधार			
4. रिजर्व बैंक के पूर्व अनुमोदन के साथ किसी दूसरी कंपनी से प्राप्त रकम (निम्नांकित टिप्पणी 1 देखें)			
5. कंपनी (निजि कंपनी सहित) द्वारा शेयरधारियों से प्राप्त ऐसी रकम जो कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 620 आ के अन्तर्गत निधि के रूप में घोषित हो।			
6. निवेशकों से प्राप्त रकम (निम्नांकित टिप्पणी 2 देखें)			
7. निजी कंपनी द्वारा शेयरधारियों से प्राप्त रकम (जो "निधि" से भिन्न हो) (निम्नांकित टिप्पणी 2 और 3 देखें)			
8. कंपनी के कर्मचारियों से जमानती जमा के रूप में प्राप्त रकम			
9. कंपनी के कारोबार के दौरान क्रय, विक्रय या दूसरे एजेन्टों से जमानत या अग्रिम के रूप में प्राप्त रकम या माल या संपत्ति की पूर्ति के लिए या सेवाएं प्रदान करने के लिए प्राप्त आईरों के संबंध में प्राप्त अग्रिम रकम।			

1	2	3	4
10	अचल संपत्ति या परिवर्तनीय टिक्केनरों का बधक रख कर जमानती डिवेचरों के नियंत्रण द्वारा प्राप्त रकम।		
11	किन्तु शेयरों या जमानतों डिवेचरों में आवटन होने तक अभिदान के स्वप्न में प्राप्त रकम या कपनी के अन्तर्नियमों के अनुसार शेयरा पर माग द्वारा अग्रिम प्राप्त रकम, जब तक ऐसी रकम कपनी के अन्तर्नियमों का अतर्गत शेयरधारियों को प्रतिदेय नहीं होती।		
12	न्यास में प्राप्त रकम या पारेपण में जहनेवाली रकम		
13	परपरागत चिट फड़/कुरी लेनदेना से सबधित रकम (कृपया 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० ३९/डी०जी० (एच०) ७७ के अनुच्छेद ४(1) के साथ पढ़ जाने वाला अनुच्छेद २(2) देखें) (क) अभिदाता आ से प्राप्त अभिदान (ख) अग्रिम अभिदान (ग) इनाम प्राप्त अभिदाता आ से भावी अभिदानों की जमानत के स्वप्न में प्राप्त रकम		
14.	जोड़ (1 से 13 तक)		

टिप्पणी: (1) यदि रिजर्व बैंक का पूर्व अनुमोदन प्राप्त नहीं किया गया हा तो ऐसी जमाराशियों को भाग "ग्र" की मरम् ८, ६ के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाए।

- प) ऐसे व्यक्ति ते इस आशय की लिखित घोषणा पर कि उसने रकम किसी अन्य न्यक्ति से उद्धार लेकर या जमाराशिया रवीकार कर प्राप्त का गया निधिया से नहीं दी है प्राप्त रकम का हो इन मदों के अतर्गत दर्शाया जाए। प्रत्यथा उम भाग "ग्र" की टिप्पणी (2) और (3) का निर्देश नुसार यथास्थिति भाग "ग्र" की मरम् ८ या ६ के अन्तर्गत दर्शाया जाए।
- (3) कपनो ग्रांधित्यम्, 1956 की धारा 43 अ के अन्तर्गत सार्वजनिक कपनी के स्वप्न में मानी गयी निजी कपनी के शेयरधारियों से प्राप्त रकम को भी इस मद के अतर्गत सम्मिलित किया जाए ब्रशर्त कि उपर्यक्त टिप्पणी (2) में उल्लिखित घोषणा प्राप्त की गयी हो। भाग—"ट"

"गुद्ध स्वाधिकृत निधियों", अवधि-भभात जमाराशियों तथा जमाराशियों की तुलनात्मक स्थिति का विवरण

गणि (हजार रुपयों में)

I. गुद्ध स्वाधिकृत निधिया
(विवरणी को तारीख
का पहले का लेखा परीक्षित
तुलन पत्र, र अनुसार
ग्रांड प्रस्तुत किये जाए
तुलन पत्र का तारीख
वा उल्लेख विषया जाए)
चुक्ता पूरी
निबीधि प्राप्ति किया जाए
जोड़
घटाहप, --
(1) सचित हानि-शेष

(ii) ग्रास्थगित राज-
स्व व्यय की शेष राशि

(iii) अन्य अगोचर
ग्रास्तिया (कृपया नि-
दिष्ट करें)

गुद्ध स्वाधिकृत निधिया

2. विवरणी की तारीख खातों की मरम् गणि (हजार
अर्थात् ३१ मार्च / ३० मित्रबर १९७--को
अवधि समाप्त जमा-
राशिया
(कृपया निमावित
टिप्पणी देखें))

(i) वे जमाराशियां
जिनके संबंध में
दावा नहीं किया
गया हो

(ii) वे जमाराशियां
जिनके संबंध में
वाला किया गया
हो परंतु जिनकी
अदायगी नहीं की
गयी हो

3. विवरणी की तारीख

अप्रृत् 31 मार्च/30

सितंबर 197— निम्नलिखित में उल्लिखित
को जमाराशियों की जमाराशियां
तुलनात्मक स्थिति

भाग अ की मद	भाग अ की मद
सं० 4	सं० 7

पिछली विवरणी की
तारीख को बकाया राशि
इस वर्ष/अर्ध वर्ष के
दौरान स्वीकृत/ नवी-
कृत जमाराशियां

जोड़ :

उसमें से घटायी गई
जमाराशियां जो इस वर्ष/
अर्ध वर्ष के दौरान अदा
कर या नवीकृत कर थुका
दी गयी हों।
इस वर्ष/अर्ध वर्ष के प्रत्यं
में बकाया जमाराशियां

टिप्पणी : यदि बापस अदा न की गयी कुल जमा राशियां 5 लाख
रुपयों से अधिक हों तो प्रत्येक जमा राशि
के अदा न किए जाने के कारण तथा अदायगी
के लिए की गयी करवाईयों का उल्लेख अनुबंध
में किया जाए।

भाग-“ई”

बकाया फैणों और अप्रिमों का विवरण

31 मार्च / 30 सितंबर 19—को		
मद सं०	पार्टी का नाम	राशि (हजार रुपयों में)
(1)	(2)	(3)

I उसी वर्ग की कंपनियां
कंपनी अधिनियम,
1956 की धारा 372

1 2 3

(i) में दी गयी परि-
भाषा के अनुसार)

- (क)
- (ख)
- (ग)
- (घ)
- आदि

(कृपया अलग अलग
कंपनियों के नाम तथा
उनसे प्राप्य राशि का
उल्लेख करें)

जोड़

II अन्य

- (क) उसी वर्ग में न आनेवाली
कंपनियां
- (ख) निदेशक
- (ग) शयरधारी
- (घ) मुख्य कार्यपालक
अधिकारी और
अन्य कर्मचारी
- (ड) अम, विक्रम या अन्य एजेंट
- (च) अन्य

II कुल जोड़ (II +) जोड़

टिप्पणी :—(1) फुटकर उधारों, अग्रिम अदा किये गये कर तथा
ऋण और अग्रिम के रूप में न रहने वाली अन्य
वसूली योग्य मदों को इस विवरण में न दर्शाया
जाए।

(2) अन्य कंपनियों के पास रहने वाली सावधि
जमाराशियों को, यथास्थिति मद I या मद
II (क) के अंतर्गत सम्मिलित किया जाए, न कि
भाग “उ” में

भाग—“उ”

निवेशों का विवरण

31 मार्च/ 30 सितंबर 19— को

मद	ब्यौरे	राशि (हजार रुपयों में)
सं०		
I	2	3

I उसी वर्ग की कंपनियां
कंपनी अधिनियम,
1956 की धारा 372

टिप्पणी : शेयरों और डिब्बेंचरों के अपैरे चाहे के निवेश खाते में हों या माल के स्टाक के रूप में हों, इस भाग में सम्मिलित किये जायें।

भाग “क”

31 मार्च/30 सितम्बर 19 ... को समाप्त हुए वर्ष/ग्रन्थ वर्ष के लिए किराया-खरीद कारोबार का विवरण

राष्ट्रीय (हजार सप्तयों में)

मद सं०	किराये पर ली गयी वस्तु का स्वरूप	जातों की संख्या	31 मार्च/30 सितम्बर 197 ¹¹ को समाप्त हुए वर्ष/प्रधान वर्ष के अंत में बकाया रकृण
-----------	----------------------------------	--------------------	--

(क) मोटर यान :

- (i) ट्रक और लारी
 - (ii) कार
 - (iii) स्कूटर
 - (iv) अन्य

(ख) बैत्रि टिकाऊ वस्तरएः

- () रेडियो रिसीवर
 (i) वस्त्रे
 () रेफिजरेटर
 (iv) सिलाई की मशीनें
 (v) टेलीविजन सेट
 (vi) धन्य

(ग) कृषि उपरक्षण :

(ट्रेक्टर, बुलडोजर प्रादि)

(८) श्रौतोगिक मशीनें या प्रौजार या उच्चोग के कानून प्राप्ति वाले उपकारण

(उ) अन्य सभी

जोड़ (क+ख+ग+घ+ऊ)

भाग—“ए”

(टेन फिराया-बुरीदि विन गोर गायां विन कपनियो द्वारा भरा जाए)

निम्नालिखित मद 1 और 2 में दिये जानेवाले जमाराशिया और तब प्राप्तियाँ इव्वीरा में बिवरणी-वर्ष के 31 मार्च को समाप्त होने वाले वारह महीना की अवधि के तिथि प्रथमेक महीने के अंत में विद्यमान स्थिति दर्शायी जाए।

राशि (हजार रुपयों

मद	प्रिया वर्ष	चालू वर्ष
स०	ल्योरे	
	अप्रैल मई जून जुलाई ग्रग्स्ट मित्स्वर अक्टॉबर नवम्बर दिसम्बर जनवरी फरवरी मार्च	
1 भाग “अ” की मद स० 8 के अतिरिक्त दिवायी यदी जमाराशिया		
2 चल प्राप्तियाँ (क) जमा रकम (ख) अनुसूचित बैंकों में किसी प्रभार या ग्रहणाधिकार से मुक्त चालू या अन्य किसी जमा ब्राते में बकाया राशि (ग) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार (रो) की भार- रहित प्रतिभूतियों या भाररहित उन प्रतिभूतियों जिन में न्यासी न्यास धन का निवेश करने के लिए हकदार है, में किये गये निवेश		
3 उपर्युक्त 1 में 2 का अनु- पात		
4 यदि कोई चूक हुई हो तो उसके कारण		

*कृपया दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना स० डीएनडीसी 38/डीजी(एच०)-77 का अनुच्छेद 12 देखें।

भाग—“ट०”

जमाराशियों का स्वामित्व

31 मार्च/30 मित्स्वर 19 को

खातों की राणि
संख्या (हजार रुपयों में)

3 रु 10,001/- ग रु 25,000/-

तक

1 रु 25,001/- से रु 50,000/-

तक

5 रु 50,001/- से रु 100,000/-

तक

6 रु 1,00,000/- से अधिक

1. रु 5,000/- तक

जोड़

2. रु 5,001/- से 10,000/- तक

- टिप्पणी : (i) प्रत्येक जमाराशि के संदर्भ में खातों की संख्या और राशि का हिसाब लगाया जाए।
(ii) जोड़ विवरणी के भाग 'अ' की मद सं० 8 में दर्शाये गये जोड़ के बराबर होना चाहिए।

प्रमाण पत्र***प्रबन्धक/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी का प्रमाणपत्र :**

- (1) प्रमाणित किया जाता है कि निवेशकों और शेयरहारियों से यथास्थिति दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० डीएनबीसी 38/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 3(vi) के परन्तुक/दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० डीएनबीसी 39/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 4(vi) के परन्तुक के अनुसार अपेक्षित इस आशय की घोषणाएँ प्राप्त कर ली गयी हैं कि उन्होंने अन्य व्यक्तियों से उधार लेकर या जमाराशियां स्वीकार कर प्राप्त निधियों में से कंपनी को रकम नहीं दी है।
- (2) प्रमाणित किया जाता है कि 1 जुलाई, 1977 को और उस तारीख से यथास्थिति दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० डीएनबीसी 38 या 39/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 5, को अपेक्षानुसार जमाराशियां स्वीकृत, नवीकृत या परिवर्तित की गयी हैं।
- (3) प्रमाणित किया जाता है कि कंपनी ने दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० डीएनबीसी 38/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 6, 7 और 8 या दिनांक 20 जून 1977 की अधिसूचना सं० 39/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 6 और 7 की अपेक्षाओं की पूर्ति की है।
- (4) प्रमाणित किया जाता है कि दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० डीएनबीसी 38/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 9 या दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० 39/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 8 की अपेक्षानुसार जमाराशियों के रजिस्टर बनाये रखे जा रहे हैं।
- (5) प्रमाणित किया जाता है कि विवरणी में प्रस्तुत किये गये व्यारों/जानकारी की जांच कर ली गयी है और यह पाया गया है कि वे सभी दृष्टियों से सही और पूर्ण हैं।

(जो प्रमाण पत्र लागू न हो उसे काट दें।)

प्रबन्धक/प्रबन्ध निदेशक/प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर*दिनांक :****नाम :****स्थान :****पदनाम :****विवरणी के अनुलग्नक**

विवरणी के साथ निम्नलिखित दस्तावेजों को प्रस्तुत किया जाए यदि उन्हें पहले ही भेजा न गया हो। कृपया संलग्न दस्तावेज के लिए संबंधित मद के सामने कोष्ठक में निशान लगाया जाए और दूसरे मामलों में प्रस्तुत किये जाने की तारीख का उल्लेख किया जाए।

- (1) इस विवरणी की तारीख से पूर्व की निकटतम तारीख का लेखा परीक्षित तुलना-पत्र और लाभ-हानि लेखा। □
- (2) नमूना हस्ताक्षर 'कार्ड' (कृपया अनुदेश सं० 7 देखें) □
- (3) दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० 38/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 7 या दिनांक 20 जून, 1977 की अधिसूचना सं० 39/डीजी(एच)-77 के अनुच्छेद 6 में उल्लिखित आवेदन फार्म की प्रतिलिपि। □
- (4) मुख्य अधिकारियों की सूची तथा निदेशकों के नाम और पते दर्शनिकाली सूची (कृपया अनुदेश सं० 6 देखें) 14
*जो लागू न हो उसे काट दें।

दूसरी अनुसूची

(कृपया निदेशावली का अनुच्छेद 15 देखें)
रिजर्व बैंक के प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय की सीमा के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र

कार्यालय का नाम और पता	प्रदेश	कार्यालय सीमा के अन्तर्गत आनेवाले क्षेत्र
1. कलकत्ता क्षेत्रीय पूर्वी	श्रीम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, पश्चिम नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001.	ग्रसम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, बिहार और उड़ीसा राज्य तथा अरुणाचल प्रदेश, मिजोराम और अंमोन एवं निकोबार द्वीपसमूह के संघशासित क्षेत्र।
2. बंबई क्षेत्रीय कार्यालय-पश्चिम	लय, इरोज बिल्डिंग, 5वीं मंजिल, चर्चगेट बंबई-400020.	गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य तथा दादरा और नगर हवेली और गोवा, दमण और दीव के संघशासित क्षेत्र।
3. बंगलूरु क्षेत्रीय	दक्षिणी कार्यालय, 10-3-8, नूपतुंग रोड, बंगलूरु-560002.	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिल-नाडु और केरल राज्य तथा पांडिचेरी और लक्षद्वीप के संघशासित क्षेत्र।
4. नयी दिल्ली क्षेत्रीय	उत्तरी कार्यालय, 6, पालियामेंट स्ट्रीट, नयी दिल्ली-110001.	जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्य तथा चंडीगढ़ और दिल्ली के संघशासित क्षेत्र।

कलकता-700001, दिनांक 20 जून 1977

संदर्भ सं० डीएनबीसी 39/डीजी(एच)-77—भारतीय रिजर्व बैंक यह विचार कर कि ऐसा करना लोकहित में आवश्यक है और इस बात से आश्वस्त होकर कि नीचे लिखे अनुसार निदेश देना इसलिए लूटी है कि रिजर्व बैंक देश के हित के लिए क्रृष्ण प्रणाली को विभिन्न कर सके, भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ, 45ट और 45ठ द्वारा प्रदत्त शक्तियों और इस उद्देश्य के लिए उसे समर्थन करने वाली सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा समय-समय पर संशोधित दिनांक 23 अगस्त, 1973 की अधिसूचना सं० डीएनबीसी 21/डीजी(एस)-73 में निहित पूर्व निदेशावली का अधिकरण करते हुए इसके द्वारा प्रत्येक विविध गैर बैंकिंग कंपनी को आगे निर्दिष्ट निदेश देता है।

भाग I—प्रारंभिक

1. लवशीष्ट और निवेशों का प्रारंभ :

ये निदेश विविध गैर बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली 1977 के रूप में अभिहित होंगे। ये निदेश 1 जुलाई, 1977 से अमल में आयेंगे और इन निवेशों में इनके प्रारंभ की तारीख का जो कोई उल्लेख होगा उसका संबंध उकु उक्त तारीख से माना जाएगा।

2. निवेशों की परिसीमा :

ये निदेश ऐसी प्रत्येक वित्तीय संस्था पर लागू होंगे जो कोई कंपनी है और जो निम्नलिखित प्रकार के कारोबारों में से कोई कारोबार करती है :—

(1) चाहे प्रवर्तक, प्रधान, एजेंट के रूप में या किसी दूसरी हैसियत से अंशदानों या अभिदानों के रूप में या यूनिटों, प्रमाणपत्रों या दूसरे प्रपत्रों की विक्री के द्वारा या किसी दूसरे प्रकार से या किसी बचत, पारस्परिक लाभ, लाभकारी बचत या किसी दूसरी योजना या किसी भी नाम से अभिहित व्यवस्था के संदर्भ में या उसके लिए सदस्यता शुल्कों या प्रवेश शुल्कों या सेवा प्रभारों के रूप में एक मुश्त में या किश्तों में रकम एकत्र करना और इस प्रकार एकत्र की गयी रकम या उसके किसी भाग या ऐसी रकम के निवेश या दूसरे उपयोग से उपार्जित आय का निम्नलिखित सभी उद्देश्यों या उनमें से किसी उद्देश्य के लिए उपयोग करना।—

(क) लॉट, निकाल (ड्रा) या किसी दूसरे प्रकार से अनिश्चित किये गये किसी निर्दिष्ट संख्या के अभिदाताओं को आवधिक रूप से या किसी दूसरे प्रकार से नकद या वस्तुओं में इनाम या उपहार देना या अधिनिर्णित करना, चाहे इनाम या उपहार पानेवाला ऐसी योजना या व्यवस्था के संबंध में कोई और अदायगी करने के दायित्व के अधीन हो या न हो;

(ख) अभिदाताओं को या उनमें से ऐसे लोगों को जिन्होंने कोई इनाम या उपहार नहीं पाया है योजना या व्यवस्था की समाप्ति पर

निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद एकत्र किये गये सभी अभिदानों, अंशदानों या दूसरी रकमों को या उनके अंश को किसी बोनस, प्रीमियम, व्याज या किसी भी नाम से अभिहित दूसरे लाभ के साथ या बिना लौटाना ;

(2) किसी ऐसे लेन-देन या व्यवस्था का प्रवर्तक, प्रधान या एजेंट के रूप में प्रबन्ध करना, संचालन करना या पर्योक्षण करना जिसके आधार पर कंपनी किसी निर्दिष्ट संख्या के अभिदाताओं के साथ यह करार करती है कि उनमें से प्रत्येक व्यक्ति किसी निश्चित अवधि में अमुक रकम का किश्तों में अभिदान करेगा। और ऐसे अभिदाताओं में से प्रत्येक अभिदाता लॉट या नीलाम या निविदा द्वारा या करार में निर्धारित किसी दूसरे प्रकार से अभिनिश्चित की गयी अपनी बारी में इनामी रकम का अधिकारी होगा;

छालेया :

इस उप अनुच्छेद के लिए 'इनामी रकम' शब्द से उस रकम का तात्पर्य लिया जाएगा, चाहे किसी भी नाम से वह अभिहित हो, जिसका निर्धारण सभी अभिदाताओं द्वारा प्रत्येक किश्त में अभिदत्त कुल रकम में से (क) किश्तों द्वारा लिया गया कर्मांशन या प्रवर्तक या प्रधान या एजेंट के रूप में लिये जाने वाले सेवा प्रभार और (ख) कोई ऐसी राशि जिसे प्रत्येक किश्त के कुल अभिदानों में से अभिदाता छोड़ देने की स्वीकृति देता है, काटकर उसे अदा की जानेवाली बकाया राशि पर विचार करते हुए, किया जाता है।

(3) चिट या कुरि के किसी दूसरे प्रकार का संचालन करना जो उपर्युक्त उप अनुच्छेद (2) में उल्लिखित कारोबार के प्रकार से भिन्न है;

(4) (1) से (3) तक के उप अनुच्छेदों में उल्लिखित कारोबार के समान कोई दूसरा कारोबार शुरू करना या चलाना या किसी दूसरे कारोबार में भाग लेना या किसी कारोबार का निष्पादन करना।

3. परिभाषाएँ :

इन निवेशों में, जब तक कि प्रसंग अन्यथा अपेक्षा नहीं करता,

(क) "बैंकिंग कंपनी" से बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 5(ग) में परिभाषित बैंकिंग कंपनी अभिप्रेत है;

(ख) "कंपनी" से भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ(क) में परिभाषित कंपनी अभिप्रेत है किन्तु फिलहाल अमल में रहनेवाली किसी विधि के अधीन परिसमाप्त की जा रही कोई कंपनी शामिल नहीं है ;

(ग) "जमा" का वही तात्पर्य होगा जो भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 45अ (खब) में उसके लिए निर्धारित किया गया है;

- (घ) "जमाकर्ता" से कोई ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जिसने कंपनी में राशि जमा की है;
- (ङ) "अमरणी" से वह व्यक्ति अभिप्रेत है जो चिट या कुरि करार या किसी दूसरी योजना या व्यवस्था के अधीन चिट या कुरि या ऐसी योजना या व्यवस्था के संचालन का उत्तरदाती है;
- (च) "निर्बाध प्रारक्षित निधियाँ" में शेयर प्रीमियम लेखे पूँजीगत और डिवेंचर परिणोधन प्रारक्षित निधियों और किन्हीं दूसरी प्रारक्षित निधियों में जमा रह वाली वह राशि शामिल होगी जो कंपनी के तुलन-पत्र में दिखायी या प्रकाशित की गयी है और जो लाभों के आवंटन द्वारा निर्मित है। ये निधियाँ (i) किसी भावी देयता के लिए या आस्तियों के मूल्यलगास या अशोध्य ऋणों के लिए निर्मित प्रारक्षित निधि या (ii) कंपनी की आस्तियों के पुनर्मूल्यन द्वारा निर्मित प्रारक्षित निधि नहीं होतीं;
- (छ) "विविध गैर बैंकिंग कंपनी" से इन निदेशों के अनुच्छेद 2 में उल्लिखित विभिन्न प्रकार के कारोबारों में से सभी या कोई कारोबार चलानेवाली कंपनी अभिप्रेत हैं;
- (ज) इसमें प्रयुक्त, विन्तु परिभाषित न किये गये और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) में परिभाषित किये गये शब्दों या अभिव्यक्तियों के वे तात्पर्य होंगे जो उनके लिए उत्तर अधिनियम में निर्धारित किये गये हैं। इसमें या भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) में परिभाषित न किये गये किन्हीं दूसरे शब्दों या अभिव्यक्तियों के वे तात्पर्य होंगे जो उनके लिए कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) में निर्धारित किये गये हैं।

4. कतिपय अधाराशियों पर निर्देशों का लागू न होना :

इस निदेशांकों के 5 से 9 तक के अनुच्छेदों और अनुच्छेद 13 में निहित कोई वात विविध गैर बैंकिंग कंपनी द्वारा प्राप्त की गयी निम्नलिखित जमाराशियों पर लागू नहीं होगी।

- (i) अनुच्छेद 2 के उप अनुच्छेद (2) में उल्लिखित लेनदेन या व्यवस्था के अंतर्गत प्राप्त या बसूल की गयी कोई रकम ;
- (ii) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार से प्राप्त कोई रकम या किसी दूसरे भौत में प्राप्त कोई ऐसी रकम जिसकी वापसी अद्यायगी के लिए केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार ने गारंटी प्रदान की है या किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी विदेशी सरकार या किसी दूसरे विदेशी नागरिक, प्राधिकारी या व्यक्ति से प्राप्त कोई रकम ;
- (iii) किसी बैंकिंग कंपनी से या भारतीय स्टेट बैंक से या बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949

का 10) की धारा 51 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित किसी बैंकिंग संस्था से या बैंकिंग कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अंतरण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5) की धारा 2 में परिभाषित तदनुसूप नये बैंक से या भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) की धारा 2 के खंड (खण्ड ii) में परिभाषित किसी सहकारी बैंक से प्राप्त कोई रकम ;

- (iv) भारतीय श्रीद्योगिक विकास बैंक अधिनियम, 1964 (1964 का 18) के अधीन स्थापित भारतीय श्रीद्योगिक विकास बैंक, भारतीय कंपनी अधिनियम, 1913 (1913 का 7) के अधीन स्थापित भारतीय श्रीद्योगिक ऋण और निवेश निगम लिमिटेड, श्रीद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का 15) के अधीन स्थापित भारतीय श्रीद्योगिक वित्त निगम या भारतीय श्रीद्योगिक पुनर्निर्माण निगम लिमिटेड, या जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 (1956 का 31) के अधीन स्थापित भारतीय जीवन बीमा निगम या राज्य वित्तीय निगम अधिनियम, 1951 (1951 का 63) के अधीन स्थापित किसी राज्य वित्तीय निगम या भारतीय यूनिट ट्रस्ट अधिनियम, 1963 (1963 का 52) के अधीन स्थापित भारतीय यूनिट ट्रस्ट या भारतीय सामान्य बीमा निगम लिमिटेड या उसकी सहायक संस्थाओं या तमिलनाडु औद्योगिक निवेश निगम या भारतीय राष्ट्रीय श्रीद्योगिक विकास निगम लिमिटेड या नौकरहन विकास निधि समिति या भारतीय पुनर्स्थापन उद्योग निगम लिमिटेड या विजली (पूर्ण) अधिनियम 1948 के अधीन स्थापित किसी विजली बोर्ड या भारतीय राष्ट्रीय श्रीद्योगिक वित्त निगम लिमिटेड या ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड या भारतीय खनिज और धातु व्यापार निगम लिमिटेड या कृषि वित्त निगम लिमिटेड या महाराष्ट्र राज्य श्रीद्योगिक और निवेश निगम लिमिटेड या गुजरात श्रीद्योगिक निवेश निगम लिमिटेड या केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा पूर्णतः स्वाधिकृत किसी वित्तीय संस्था या इस संदर्भ में रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित की जानेवाली किसी दूसरी वित्तीय संस्था से प्राप्त कोई ऋण ;
- (v) किसी दूसरी कंपनी से रिजर्व बैंक के पूर्व अनुमोदन के साथ प्राप्त कोई रकम ;
- (vi) किसी ऐसे व्यक्ति से प्राप्त कोई रकम जो रकम प्राप्त करते समय कंपनी का निदेशक था या है या किसी निजी कंपनी द्वारा जिसमें वह निजी कंपनी भी शामिल है, जो कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 43अ के उपबन्धों के कारण सार्वजनिक कंपनी समझी जाती है, अपने शेयरधारियों से प्राप्त कोई रकम ;

परन्तु इस निदेशावली के प्रारंभ की तारीख को या उसके बाद प्राप्त किसी रकम के मामले में जिस व्यक्ति से रकम प्राप्त हो उसे रकम प्राप्त करते समय कंपनी को इस आशय की एक लिखित घोषणा देनी होगी कि उसने वह राशि उन निधियों से नहीं दी है जो उसने किसी दूसरे व्यक्ति से उधार लेकर या जमाराशि स्वीकार कर प्राप्त की है।

- (vii) कंपनी के किसी कर्मचारी से जमानती जमा के रूप में प्राप्त कोई रकम;
- (viii) कंपनी की अचल सम्पत्तियों या उनके किसी शंख के बंधक द्वारा सुरक्षित डिवेंचर या बांड जारी कर जुटायी गयी कोई रकम या डिवेंचर या बांड इस विकल्प के साथ कि ऐसे डिवेंचरों या बांडों को इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तित किया जा सकता है, जारी कर जुटायी गयी कोई रकम;

परन्तु अचल संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित डिवेंचरों या बांडों के मामले में ऐसे डिवेंचरों या बांडों की राशि ऐसी अचल सम्पत्तियों के बाजार मूल्य से अधिक नहीं होनी चाहिए;

- (ix) किन्हीं शेयरों या स्टाक में अभिदान के रूप में ऐसे शेयरों या स्टाक का आवंटन होने तक प्राप्त कोई रकम या इस अनुच्छेद के खंड (viii) में निर्दिष्ट डिवेंचरों या बांडों में अभिदान के रूप में ऐसे डिवेंचरों या बांडों का आवंटन होने तक, प्राप्त कोई रकम या कंपनी के अंतर्नियमों के अनुसार मांग पर अग्रिम शेयर राशि के रूप में प्राप्त कोई रकम जब तक कि ऐसी रकम कंपनी के अंतर्नियमों के अंतर्गत शेयरधारियों को प्रतिवेदन हो।

भाग II—जमाराशियों की स्वीकृति

5. विविध गैर-बैंकिंग कंपनियों द्वारा जमाराशियों की स्वीकृति :

1 जुलाई 1977 को और उस तारीख से—

- (क) कोई विविध गैर-बैंकिंग कंपनी गांग पर या नोटिस पर वापस श्रद्धा की जानेवाली या ऐसी जमाराशि की प्राप्ति की तारीख से छः महीने से कम अवधि और छत्तीस महीने से अधिक अवधि के बाद वापस श्रद्धा की जाने वाली कोई जमाराशि स्वीकार नहीं करेगी या उपर्युक्त तारीख के पहले या बाद अपने द्वारा प्राप्त की गई किसी जमाराशि का नवीकरण तब तक नहीं करेगी जब तक ऐसी जमाराशि नवीकरण की तारीख से छः महीने के पहले और छत्तीस महीने के बाद प्रतिदेय न हो।

परन्तु, यदि 1 जुलाई 1977 के पहले छत्तीस महीने से अधिक अवधि के बाद प्रतिदेय जमाराशि विविध गैर-बैंकिंग कंपनी ने स्वीकार की हो तो ऐसी जमाराशि तत्संबंधी शर्तों के अनुसार लौटायी

जाए बशर्ते कि वह इन शर्तों के अनुसार नवीकृत न हो।

परन्तु इस खंड की कोई बात डिवेंचर या बांड जारी कर जुटायी गयी राशि पर लागू नहीं होगी;

(ख) कोई विविध गैर-बैंकिंग कंपनी—

- (i) गैर जमानती डिवेंचर पर कोई जमाराशि या किसी शेयरधारी से कोई जमाराशि (जो किसी निजी कंपनी द्वारा अनुच्छेद 4 के खंड (vi) में उल्लिखित अपने शेयरधारियों से प्राप्त जमाराशि नहीं है) या किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा गारंटीकृत कोई जमाराशि जो ऐसी प्रदान करते समय कंपनी का निदेशक था या है, उस स्थिति में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी कोई जमाराशि पहले ही प्राप्त और इस जमाराशि की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया तथा इस उपखंड में उल्लिखित सभी प्रकारों या किसी प्रकार की जमाराशियों के साथ कंपनी की शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो;
- (ii) कोई दूसरी जमाराशि उस स्थिति में स्वीकार या नवीकृत नहीं करेगी जब ऐसी जमाराशि पहले ही प्राप्त और इस जमाराशि की स्वीकृति या नवीकरण की तारीख को कंपनी की बहियों में बकाया रहने वाली ऐसी अन्य जमाराशियों के साथ जो इस खंड के उपखंड (i) में उल्लिखित जमाराशियों के अंतर्गत नहीं आतीं, कंपनी की शुद्ध स्वाधिकृत निधियों के पच्चीस प्रतिशत से अधिक हो।

व्याख्या :

इस अनुच्छेद के प्रयोजनों के लिए “शुद्ध स्वाधिकृत निधियों” से कंपनी के अद्युतन लेखा परीक्षित तुलनपत्र में दर्शायी गयी कुल चुकाता पूँजी और निर्बाध प्रारक्षित निधियों का तात्पर्य लिया जाएगा। जिनसे उक्त तुलनपत्र में दर्शायी गयी संचित हानि-शेष की राशि, आस्थित राजस्व व्यय और अन्य अगोचर आस्तियों (यदि कोई हों) को घटा दिया जाएगा।

6. जमाराशियों की अध्यर्थना करते हुए प्रस्तुत किये जाने वाले आवेदन पत्रों में निर्देशनीय विवरण

1 जुलाई 1977 को या उस तारीख से कोई विविध गैर-बैंकिंग कंपनी तब तक कोई जमाराशि स्वीकार, नवीकृत या परिवर्तित नहीं करेगी जब तक कि कंपनी द्वारा दिये जाने वाले फार्म में जमाकर्ता लिखित आवेदन प्रस्तुत न करे। उक्त फार्म में कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 58अ के अंतर्गत बनायी गयी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर-बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियमावली, 1977 में निर्दिष्ट सभी विवरण होंगे।

7. जमा कर्ताओं को रसीद देना

(1) प्रत्येक विविध गैर बैंकिंग कंपनी ने इन निवेशों के प्रारंभ की तारीख के पहले या बाद जमाराशि के रूप में जो रकम प्राप्त की है या प्राप्त करेगी, ऐसी प्रत्येक राशि के लिए वह प्रत्येक जमाकर्ता या उसके एजेंट को, यदि पहले ही कोई रसीद न दी गयी हो तो, रसीद देगी।

(2) उक्त रसीद किसी ऐसे अधिकारी द्वारा विधिवत् हस्ताक्षरित होगी जो इस संदर्भ में कंपनी की ओर से कार्रवाई करने के लिए अधिकृत हो और उस रसीद में जमाराशि की तारीख, जमाकर्ता के नाम, जमा के रूप में कंपनी द्वारा प्राप्त की गयी राशि, अधारों और अंकों में, उस पर देय ब्याज की दर और जमाराशि की प्रतिदेय तारीख का उल्लेख किया जाएगा।

8. जमाराशियों का रजिस्टर

(1) प्रत्येक विविध गैर बैंकिंग कंपनी एक या अधिक रजिस्टर रखेगी, जिसमें/जिनमें प्रत्येक जमाकर्ता के मामले में निम्नलिखित विवरण अलग अलग दर्ज किए जाएंगे।

- (क) जमाकर्ता का नाम और पता,
- (ख) प्रत्येक जमा की तारीख और रकम,
- (ग) प्रत्येक जमा की अवधि और नियत तारीख,
- (घ) प्रत्येक जमा पर उपर्जित ब्याज या प्रीमियम की तारीख और रकम,
- (ड) प्रत्येक वापसी अदायगी की तारीख और रकम चाहे वह अदायगी मूल जमा की हो या ब्याज अथवा प्रीमियम की हो,
- (च) जमा से संबंधित कोई दूसरे विवरण।

(2) कंपनी के पंजीकृत कार्यालय में उपर्युक्त रजिस्टर रखा जाएगा/रखे जाएंगे और रजिस्टर में जिस जमाराशि के विवरण दिए गए हों उसकी वापसी अदायगी या नवीकरण से संबंधित अंतिम प्रविधित जिस वित्तीय वर्ष में की गई हो उसके बाद कम से कम आठ कैलेंडर वर्षों की अवधि तक उस रजिस्टर/उन रजिस्टरों को अच्छी दशा में सुरक्षित रखा जाएगा।

परंतु यदि कोई कंपनी, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 209 की उपधारा (1) में उल्लिखित लेखा वहियों को उक्त उपधारा के परंतुक के अनुसार अपने पंजीकृत कार्यालय को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर रखती है तो ऐसे दूसरे स्थान पर उपर्युक्त रजिस्टर का रखा जाना इस उप-अनुच्छेद का पर्याप्त पालन होगा, बशर्ते कि कंपनी उक्त उपधारा के परंतुक के अधीन रजिस्ट्रार के पास फाइल की गई नोटिस की एक प्रतिलिपि इस प्रकार फाइल किए जाने के सात दिन के अंदर रिजर्व बैंक को भेज दें।

9. निदेशक मंडल की रिपोर्ट में समिलित की जाने वाली जानकारी

(1) इन निवेशों के प्रारंभ की तारीख के बाद कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 217 की उपधारा (1) के अधीन सामान्य बैठक में कंपनी के समक्ष पेश की जानेवाली

निदेशक मंडल की प्रत्येक रिपोर्ट में किसी विविध गैर बैंकिंग कंपनी के मामले में निम्नलिखित विवरण या जानकारी समिलित की जाएगी, अर्थात् :

(क) जमाकर्ता के साथ किये गये गैर करार या हन निवेशों के उपबंधों में से जो भी लागू हो उसके/उनके अनुसार जिस तारीख को जमाराशि वथास्थित वापसी अवायगी किये जाने योग्य या नवीकरणीय होती हो उस तारीख के बाद कंपनी के जिन जमाकर्ताओं की जमा रकम का बाबा जमाकर्ताओं ने नहीं किया हो या कंपनी द्वारा जिन जमाकर्ताओं की जमा रकम अब नहीं की गई हो उन जमाकर्ताओं की कुल संख्या, और

(ख) जमाकर्ताओं को देय और उपर्युक्त खंड (क) में उल्लिखित तारीखों के बाद दाबा किये बिना या अदा किए बिना रहने वाली कुल रकम।

(5) जिस वित्तीय वर्ष से रिपोर्ट संबंधित हो उसकी अंतिम तारीख तक की स्थिति के संबंध में उक्त विवरण और जानकारी दी जाए और यदि पिछले उप अनुच्छेद के खंड (ख) में उल्लिखित प्रकार से दाबा किये बिना या वितरित किए बिना रहने वाली रकम कुल पांच लाख रुपयों से अधिक हो तो रिपोर्ट में जमाकर्ताओं को देय और दाबा किये बिना या वितरित किये बिना रहनेवाली रकम की अदायगी के लिए निदेशक मंडल द्वारा की गई और किये जाने के लिए प्रस्तावित कार्रवाईयों का एक विवरण भी जाऊंगा।

भाग III—विविध

10. रिजर्व बैंक को निदेशकों की रिपोर्ट के साथ पेश किये जाने वाले तुलन पत्र और लेखों की प्रतियां

प्रत्येक विविध गैर बैंकिंग कंपनी रिजर्व बैंक की सामान्य बैठक में कंपनी द्वारा पारित प्रत्येक वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख तक का एक लेखा परीक्षित तुलन-पत्र और उस वर्ष का लेखा परीक्षित लाभ-हानि लेखा कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 217(1) के अनुसार ऐसी बैठक में कंपनी के मामल प्रस्तुत की गयी निदेशक मंडल की रिपोर्ट की प्रतिलिपि के भाष्य ऐसी बैठक के बाद पांच हजार दिन के अंदर पेश करेगी, यदि उसने पहले ही पेश नहीं किया हो।

11. रिजर्व बैंक को पेश की जानेवाली विवरणियां

(1) अनुच्छेद 10 के उपबंधों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव उल्लेखनीय नहीं होने के अवधि तक कंपनी इसके साथ सलग पहली अनुसूची में उल्लिखित तारीखों तक की अपनी स्थिति के संबंध में उक्त अनुसूची में निर्दिष्ट जानकारी देते हुए रिजर्व बैंक को एक विवरणी पेश करेगी।

(2) (i) प्रत्येक विविध गैर बैंकिंग कंपनी इस निवेशों के अमल में आने वाले कारोबार के प्रारंभ होने, इनमें से जो भी बाद में

हो, से एक महीने के अंदर निम्नलिखित सूची देते हुए एक लिखित विवरण रिजर्व बैंक को पेश करेगी—

- (क) उसके प्रधान अधिकारियों के नाम और अधिकारिक पदनाम;
- (ख) कंपनी के निदेशकों के नाम और आवास के पते,
- (ग) उप अनुच्छेद (1) में निर्दिष्ट विवरणियों पर कंपनी की प्रोटो से हस्ताक्षर करने के लिए अधिकृत अधिकारियों के नाम। हस्ताक्षर।

(ii) यदि उस उप अनुच्छेद के खंड (1) में उल्लिखित सूची में कोई परिवर्तन हो तो उसे ऐसा परिवर्तन होने के एक महीने के भीतर रिजर्व बैंक को सूचित किया जाए।

12. गैर बैंकिंग कंपनी विभाग को पेश किया जानेवाला तुलन पत्र, विवरणियों आदि

इन निदेशों के अनुसार में रिजर्व बैंक को जो तुलन पत्र, विवरणिया या जनकारी पेश की जानी या भेजी जानी चाहिए उन्हें/उसे रिजर्व बैंक के गैर बैंकिंग कंपनी विभाग के उस क्षेत्रीय कार्यालय को इसकी दूसरी अनुसूची में उल्लिखित प्रकार से पेश करना, या भेजना चाहिए जिसके कार्यक्षेत्र के भीतर कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

13. विज्ञापन के बदले विवरण

जहाँ कोई कंपनी आमंत्रित किये विना या विसी दूसरे व्यक्ति को आमंत्रित करने दिये विना या उससे आमंत्रित करवाये विना जमार शिया स्वीकार करना चाहती है वहाँ उक्त कंपनी जमारशियों को स्वीकार करने से पहले विज्ञापन के बदले एक ऐसा विवरण जिसमें गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी और विविध गैर बैंकिंग कंपनी (विज्ञापन) नियमावली, 1977 के अनुसार विज्ञापन में देय अपेक्षित सभी व्यारेये गये हों, और जो उपर्युक्त नियमावली में निर्दिष्ट प्रकार के विधिवत् हस्ताक्षरित हो, पंजीकरण के लिए रिजर्व बैंक के गैर बैंकिंग कंपनी विभाग के उस क्षेत्रीय कार्यालय को पेश करेगी जिसके कार्यक्षेत्र में उसका पंजीकृत कार्यालय स्थित है।

14. छूट

यदि रिजर्व बैंक किसी कठिनाई को दूर करने के लिए या किसी दूसरे उचित और पर्याप्त कारण से ऐसा करना आवश्यक समझे तो वह समान्य रूप से या किसी निर्दिष्ट अवधि के लिए ऐसी शर्तों के अधीन जिन्हे रिजर्व बैंक लगाये, इन निदेशों के सभी उपबंधों या किसी उपबंध का पालन करने की अवधि को बढ़ा सकता है या किसी कंपनी वर्ग को उनसे/उससे छूट दे सकता है।

15. कर्तिपथ दूसरे निदेशों का लागू न होना

गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1977 में मरमिट कोई निदेश इन निदेशों के अनुच्छेद 2 में उल्लिखित प्रकार की वित्तीय संस्था पर लागू नहीं होगा।

16. विविध गैर बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1973 के उल्लंघन के लिए की गई या की जाने वाली कार्रवाई का वाचाव

इसके द्वारा यह स्पष्ट किया जाता है कि समय-समय पर संशोधित विविध गैर बैंकिंग कंपनी (रिजर्व बैंक) निदेशावली, 1973 के अधिकरण से निम्नलिखित पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (i) उक्त निदेशावली के अंतर्गत प्राप्त, उपर्युक्त या गृहीत कोई अधिकार, दायित्व या देयता;
- (ii) उक्त निदेशावली के अंतर्गत किसी उल्लंघन के लिए लगाया गया कोई जुमाना, किया गया कोई समप्रहरण या लगाया गया दंड;
- (iii) उपर्युक्त अधिकार, विषेषाधिकार, दायित्व, देयता, जुमानि, समप्रहरण या दंड के संबंध में की गयी जांच पड़ताल, वैधानिक कार्रवाई या उपचारात्मक कार्रवाई या उपचारात्मक कार्रवाई इस प्रकार की जाए, जारी की जाए या अमल में लायी जाए और इस प्रकार कोई जुमाना लगाया जाए, समप्रहरण किया जाए या दंड लगाया जाए मानो इन निदेशों का कोई व्याधिक्रमण नहीं किया गया है।

दूसरी अनुसूची

(छप्या निदेशावली का अनुच्छेद 12 देखें)

प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय की सीमा के अंतर्गत आनेवाले क्षेत्र

कार्यालय का नाम और पता	प्रदेश	कार्यालय-सीमा के अंतर्गत आनेवाले क्षेत्र
1. कलकत्ता क्षेत्रीय कार्यालय, पूर्वी 15, नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-700001।	पूर्वी	असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, लिपुरा, पश्चिम बंगाल, बिहार और उडीमा राज्य तथा अरुणाचल प्रदेश, मिजोराम और अंदमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के संघ-शास्ति क्षेत्र।
2. बंबई क्षेत्रीय कार्यालय, ईरोध बिल्डिंग 5वीं मंजिल, अर्चगेट वर्क्स-400020।	पश्चिमी	गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य तथा वादरा नगर हवली और गोव, दमण और दीव के संघशासित क्षेत्र।
3. बंगलूरु क्षेत्रीय कार्यालय, 10-3-8, नूपतुंग रोड, बंगलूरु-560002।	दक्षिणी	आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल राज्य तथा पांडिचेरी और लक्ष्मीपुर, के संघ-शासित क्षेत्र।
4. नयी दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय, 6, पालियामेंट स्ट्रीट, नयी दिल्ली-110001।	उत्तरी	जम्मू और काश्मीर, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश राज्य तथा चंडीगढ़ और दिल्ली के संघशासित क्षेत्र।

आर० के० हजारी,

उप गवर्नर

भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्लीब 1, दिनांक 16 जून, 1977

सं० 4 सोए (1)/5/77-78:—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 16 के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर प्राप्त लेखाकार अधिनियम 1949 की धारा 20 उम्मारा 1 (ख) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुये भारतीय चार्टर प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से निम्नलिखित सदस्यों का नाम सदस्यों की अपनी प्रार्थना पर प्रत्येक के आगे दी गई तिथियों से हटा दिया है :—

क्र०	सं०	नाम एवं पता	तिथि
क्र०	सं०		
1.	383	श्री के० जे० एच० हार्टले मैसरस प्राइस वाटरहाउस, पिट एण्ड क०, चार्टरड एकाउन्टेन्ट्स, बी० 4, गिलिन्डर हाउस, नेताजी सुभाष रोड़, कलकत्ता-700001	25-5-77
2.	1142	श्री एस० के० चौधरी, फ्लैट नं० 25, 15, सरत चटर्जी एवन्यू, कलकत्ता-700029.	11-9-75
3.	1752	श्री रम्पीतलाल चूनीलाल मजूमदार 376 ए, टोपीवाला मोटर मेन्शन, दूसरी मंजिल, आपौ० सैन्ट्रल बैंक, सरदार बी० पी० रोड़, । बम्बई-4 बी० आर०,	13-5-77
4.	8440	श्री ए० बी० केनकर, “सरस्वती मदन”, बिटान्ड टाउन हाल, थाना-400601. ।	

सं० 8 सी ए (1)/6/77-78:—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10 (1) खंड (तीन) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किये प्रैकिट्स प्रमाण-पत्र उनके नामों के आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रैकिट्स प्रमाण-पत्रों को रखने के इच्छुक नहीं :—

क्र०	सं०	नाम एवं पता	तिथि
क्र०	सं०		
1.	12283	श्री बी० जे० शाह, ए० सी० ए०, 7/107, आजाद नगर, जे० पी० रोड़, बम्बई-58.	1-4-77

1	2	3	4
2.	14567	श्री पन्नालाल एस० शाह, ए० सी० ए०, केपर आफ चन्दनलाल मेट्स, प्रैडक्ट्स प्राइवेट लिं०, गोरखा रोड़, बड़ौदा-390003.	1-4-77
3.	14752	श्री दिनेश चन्द्रा गोरखनदास, गांधी, ए० सी० ए०, 17/ए०, श्री हरि कालोनी, आपौ० आश्वस फैक्टरी, अजुवा रोड़, आउटसाइड पानीगेट, बड़ौदा-6.,	3-5-77
4.	17555	श्री प्रवीन कुमार टन्नन, ए० सी० ए०, 9-12-76 1943, रानी बाग, नई दिल्ली-34.	
5.	30194	श्रीमती कन्चन य० चिताले, ए० सी० ए०, 167/सी०, डा० अम्बेडकर रोड़, दादर, बम्बई-400014.	1-4-77

दिनांक 20 जून 1977

सं० 50 आर० एस० ए० (55)/52:—सटिफाईड आडिटर्स रूल्स 1961 के रूल (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उपर्युक्त रूल के रूल 4 के उपरूल (2) के द्वारा प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग करते हुए दि कोंसिल आफ वी इस्टीट्यूट आफ चार्ट एकाउन्टेन्ट्स आफ इण्डिया ने सटिफाईड आडिटर्स के रजिस्टर से श्री सी० रामाराव, सटिफाईड आडिटर नं० 55, नं० 77, iii ब्लाक, थामाराजा नगर, बन्गलोर 560028 का नाम 1-5-1977 से इस बात को ध्यान में रखने हुए कि उपर्युक्त रूल के रूल 8 (2) के अधिन उस तिथि से उन का सटिफाईड आडिटर्स मटिकिट रख किया जा चुका है, हटा दिया है।

मद्रास-600034, दिनांक 21 जून 1977

सं० 8 ए० सी० ए० (1)/5/77-78:—चार्टर प्राप्त लेखाकार विनियम 1964 के विनियम 10(1) खंड (तीन) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित सदस्यों को जारी किये प्रैकिट्स प्रमाण-पत्र उनके नामों के आगे दी गई तिथियों से रद्द कर दिये गये हैं क्योंकि वे अपने प्रैकिट्स प्रमाण-पत्रों को रखने के इच्छुक नहीं :—

क्र०	सं०	नाम एवं पता	तिथि
क्र०	सं०		
1.	11105	श्री एम० जयराजन, एफ० सी० ए०, गोविंद पुरम, चेराकारा, दिल्ली चैरी ।	1-4-77

1	2	3	4
2.	18748	श्री टी० आर० वरधाराजन, ए० सी० ए०, नं० 187 वाई०-३, बिलोक, राजाजीनगर, बंगलौर-५६००१०.	31-3-77
3.	18945	श्री एन० ए० पदमानाभान, पा० सी० ए०, १-१०-१९, अर्णोक नगर, हेदराबाद-२० .	6-6-77

पी० एस० गोपालाकृष्णन,
सचिव

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
कार्मिक प्रभाग

वम्बई-400085, दिनांक 1, जूलाई 1977

सं० पी०/1678/ओ०ई०एस०/स्थाप० IV/5225:—निम्न-
लिखित आदेश जो इस अनुसंधान केन्द्र के कारीगर 'सी'
थी के० एन० पी० पिल्ले को उसके ओमेलूर डाकघर के पते
पर तारीख 28-2-77 और 28-4-77 को कोजेनचेरी डाकघर
के पते पर रसीदी रजिस्ट्री द्वारा भेजा गया था, डाकखाने के प्राधि-
कारियों की तारीख 8-3-77 और 23-5-77 की इस अभ्युक्ति
'ठिकाने पर नहीं, वर्तमान पता मालूम नहीं', के साथ अधिकृतरित
लौट आया। इसलिए आदेश राजपत्र में प्रकाशित किया जाता है।

"आदेश

केंद्रीय सिविल सेवायें (अस्थाई सेवा) नियमावली 1965
के नियम 5 के उपनियम (1) के अनुसार, मैं इसके द्वारा इस अनु-
संधान केंद्र के आप्टोइलेक्ट्रोनिकी अनुभाग के अस्थाई कारीगर
'सी' थी के० एन० पी० पिल्ले को नोटिस देता हूं कि इस नोटिस
के उन्हे तामील होने अथवा, जैसी वस्तुस्थिति हो, दिये जाने के
दिनांक से एक महीने के बाद के दिनांक से उनकी सेवायें समाप्त
हो जायेंगी।

श्री के० एन० पी० पिल्ले, (पृष्ठी राज मेर)
मार्फत राधावन नायर, अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग
मेकाट्ट हाउस, ओमेलूर
पो० आ० पथानमथिटा, केरला।
श्री के० एन० पी० पिल्ले,
कारीपाला परमपिल हाउस,
कोजेनचेरी पो० आ०, केरला।

पृष्ठी राज मेर,
अध्यक्ष, कार्मिक प्रभाग

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
DEPARTMENT OF ACCOUNTS & EXPENDITURE
Bombay, the 16th June 1977

In pursuance of Rule 18 of the Rules made by the Government of India under Section 28 of the Public Debt Act 1944 and published in the Gazette of India of the 20th April 1946 [as amended under Notification No. F.(8)/70-B/52 dated 29th April 1954] the following list (for the quarter ended 31st March 1977) is hereby advertised of securities lost etc. in respect of which *prima facie* grounds exist for believing that the securities have been lost and that the claims of applicants is just. All persons other than the respective claimants named below who have any claim upon these securities should

भारतीय औद्योगिक वित्त निगम

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 जूलाई 1977

सूचना

सं० ६/७७—सूचना दी जाती है कि भारतीय औद्योगिक वित्त निगम के अधिकारियों (शेयर होल्डरों) को उन्तीसवीं वार्षिक साधारण सभा समवार, दिनांक 26 मित्तम्बर 1977 को सायंकाल 4.00 बजे (मानक समय) होटल हम्पी-रियल, जनपथ, नई दिल्ली में होगी, जिसमें निम्नलिखित विषयों पर कार्यवाही की जाएगी :—

- (1) 30 जून 1977 को समाप्त हुए वर्ष के निगम का तुलन-पत्र तथा लाभ-हानि लेखों का पठन तथा उन पर विचार करना एवं निगम के कार्य के सम्बन्ध में उक्त तुलन-पत्र और लेखों के सम्बन्ध में लेखा-परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार करना।
- (2) (i) श्री पी० सी० डी० नामविधार, (ii) श्री जे० मथन तथा (iii) श्री जे० य० पटेल, प्रत्येक के स्थान पर औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम 1948 की धारा 10 की उप-धारा (1) के अमाशः खण्डों (ग), (घ) और (ङ) में निर्दिष्ट अंशधारियों के रूप में एक-एक सचालक चुनना, जो कार्य निवृत्त हो गए हैं, पर वे इस अधिनियम की धारा 11 के अधीन फिर से चुने जा सकते हैं।
- (3) औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम की धारा 4 की उप-धारा (3) में उल्लिखित पाटियों, अर्थत् अनुसूचित बैंकों, बीमा कम्पनियों, निवेश-न्यासों और ऐसी ही अन्य वित्तीय संस्थाओं तथा सहकारी बैंकों द्वारा मैसर्स हरिभक्ति एण्ड कम्पनी, सनदी लेखापाल, बम्बई के स्थान पर कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का पहला) की धारा 226 के अन्तर्गत कम्पनियों के लेखा परीक्षकों के रूप में कार्य करने के लिए विधिवत् अर्हता प्राप्त एक लेखा परीक्षक को औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम 1948 की धारा 34 के अन्तर्गत चुनना। मैसर्स हरिभक्ति एण्ड कम्पनी इस वर्ष के अन्त के कार्यनिवृत्त हुए हैं पर वे फिर से चुने जा सकते हैं।

श्री र० सी० माथुर,
महाप्रबन्धक।

communicate immediately with the Chief Accountant, Reserve Bank of India, Central Office, Department of Accounts and Expenditure, Central Debt Section, Bombay

LIST 'A'

No. of Security	Value Rs./Gms.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for issue of duplicate or payment of discharge value	No. & date of orders issued.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)

BOMBAY CIRCLE4 PER CENT LOAN, 1977

*BY 000871 10,000/- Reserve Bank of India 15th October 1976 Dhunmai J. Noble, Darabsha J. Noble and Rustam J. Noble or any one of them. Case No. L-1671/CO.Dt. Admn. 32/76-77 dated 15th December 1976.

THREE AND HALF PER CENT NATIONAL PLAN LOAN, 1964

BY 020415 1,000/- Reserve Bank of India 19th April 1954 Kantilal Hirachand Shah (Mitakshara Certificate holder to the estate of the late Hirachand Nathuram Shah) Case No. L-1666 vide Dy. Manager's order No. CO. 64 dated 17th February 1977.

SIX AND HALF PER CENT GOLD BOND, 1977

BY 046762 1,000/- Santokben Nanjibhai Mehta 12th November 1964 Hansa Kumari R. Sodha Case No. L-1649 vide Dy. Manager's order No. CO. 498 dated 7th March 1977.

NEW DELHI CIRCLETHREE PER CENT CONVERSION LOAN, 1946

DH 032826/28 100/- each The Doaba Church Council of the United Church of Northern India 16th September 1969 The Doaba Church Council of the United Church of Northern India No. LN-351 dated 8th February 1977.

DH 032829 5,000/- Do. Do. Do. Do.

DH 032830/31 2,000/- each Do. 16th March 1970 Do. Do.

DH 032832 200/- Do. Do. Do. Do.

DH 032833 1,000/- Do. 16th March 1969 Do. Do.

THREE AND HALF PER CENT NATIONAL PLAN BONDS, 1967 (3RD SERIES)

DH 000817 5,000/- Reserve Bank of India 16th January 1964 Govt. High School, Sub- Area Consumers' Co-operative Store Ltd., Saharanpur. No. LN-552 dated 11th February 1977.

MADRAS CIRCLETHREE PER CENT FIRST DEVELOPMENT LOAN, 1970-75

@ MS 022137 500/- The Thiruvannamalai Co-operative Land Mortgage Bank Ltd. 15th October 1969 Thiruvannamalai Co-operative Primary Land Development Bank Ltd. Dy. Manager's order No. Dy. CO. 59/LN. 2115/77 dated 25th January 1977.

BANGALORE CIRCLENATIONAL DEFENCE GOLD BONDS, 1980 ('A' SERIES)

*BL 000219 9 Gms. Babulal Vasanji Mehta 27th October 1973 Babulal Vasanji Mehta Manager's Order No. C. O. 296 dated 22nd March 1977.

NATIONAL DEFENCE GOLD BONDS, 1980 ('B' SERIES)

*BL 000415 4 Gms. Babulal Vasanji Mehta 27th October 1973 Babulal Vasanji Mehta Manager's Order No. C. O. 296, dated 22nd March 1977.

* Immediate issue of duplicate and payment of accrued interest authorised.

@ Issue of duplicate/payment of discharge value after 3 years period authorised.

K. C. BANERJEE
Chief Accountant
Reserve Bank of India
Central Office
Department of Accounts & Expenditure
Central Debt Section
Bombay-400 001.

DEPARTMENT OF NON-BANKING COMPANIES

Calcutta-1, the 20th June 1977

Ref. No. DNBC.38/DG(H)-77.—The Reserve Bank of India having considered it necessary in the public interest and being satisfied that for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to give the directions set out below, hereby, in exercise of the powers conferred by sections 45J, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934), and of all the powers enabling it in its behalf, and in supersession of the earlier directions contained in Notification No. DNBC 1/bD(S)-66 dated the 29th October 1966 as amended from time to time gives to every non-banking financial company the directions hereinafter specified.

Part I—Preliminary

1. Short title and commencement of the directions

These directions shall be known as the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977. They shall come into force with effect from the 1st July 1977 and any reference in these directions to the date of commencement thereof shall be deemed to be a reference to that date.

2. Definitions

(1) In these directions, unless the context otherwise requires,

- (a) "banking company" means a banking company as defined in section 5(c) of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (b) "company" means a company as defined in section 45I(a) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) but does not include a company which is being wound up under any law for the time being in force;
- (c) "deposit" shall have the same meaning as assigned to it in section 45 I (bb) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
- (d) "depositor" means any person who has made a deposit with the company;
- (e) "free reserves" shall include the balance in the share premium account, capital and debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet of a company and created through an allocation of profits, not being (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debts or (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company;
- (f) "hire-purchase finance company" means any company which is a financial institution carrying on as its principal business hire-purchase transactions or the financing of such transactions;
- (g) "housing finance company" means any company which is a financial institution carrying on as its principal business the financing of the acquisition or construction of houses including the acquisition or development of plots of land in connection therewith;
- (h) "insurance company" means any company registered for any class of insurance business under section 3 of the Insurance Act, 1938 (4 of 1938);
- (i) "investment company" means any company which is a financial institution carrying on as its principal business the acquisition of securities;
- (j) "loan company" means any company which is a financial institution carrying on as its principal business the providing of finance, whether by making loans or advances or otherwise for any activity other than its own but does not include a hire-purchase finance company or a housing finance company;
- (k) "mutual benefit financial company" means any company which is a financial institution and which

is notified by the Central Government under section 620A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

- (l) "non-banking financial company" means any hire-purchase finance, housing finance, investment, loan or mutual benefit financial company, but does not include an insurance company or a stock exchange or stock-brokering company;
 - (m) "securities" means shares, stock, bonds, debentures, debenture stock or securities issued by Government or by a local authority or other marketable securities of a like nature;
 - (n) "stock exchange or stock-brokering company" means any company which is a stock exchange notified under sub-section (3) of section 4 of the Securities Contracts (Regulation) Act, 1956 (42 of 1956) or any other company the principal business of which is the purchase or sale of securities as a broker or as a jobber;
 - (o) words or expressions used but not defined herein and defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall have the same meaning as assigned to them in that Act. Any other words or expressions not defined herein or in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall have the same meaning as assigned to them in the Companies Act, 1956 (1 of 1956);
 - (2) (a) If any question arises as to whether a company is a financial institution or not, such question shall be decided by the Reserve Bank in consultation with the Central Government.
 - (b) If any question arises as to whether a company which is a financial institution is a hire-purchase finance company, investment company, housing finance company or a loan company, such question shall be decided by the Reserve Bank having regard to the principal business of the company and other relevant factors.
3. Non-applicability of the directions to certain types of deposits of money
- Nothing contained in paragraphs 4 to 12 and 16 of these directions shall apply to the following types of deposits received by a non-banking financial company:—
- (i) any money received from the Central Government or a State Government or any money received from any other source and the repayment of which is guaranteed by the Central Government or a State Government or any money received from a local authority or a foreign Government or any other foreign citizen, authority or person;
 - (ii) any money received from a banking company or from the State Bank of India or from a banking institution notified by the Central Government under section 51 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) or a corresponding new bank as defined in section 2 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) or from a co-operative bank as defined in clause (b ii) of section 2 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);
 - (iii) any loan received from the Industrial Development Bank of India established under the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) or the Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd., established under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) or the Industrial Finance Corporation of India established under the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) or the Industrial Reconstruction Corporation of India Ltd., or the Life Insurance Corporation of India established under the Life Insurance Corporation Act 1956 (31 of 1956) or a State Financial Corporation established under the State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951) or the Unit Trust of India established under the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) or the General Insurance Corporation of

- India and its subsidiaries or the Tamil Nadu Industrial Investment Corporation Ltd. or the National Industrial Development Corporation of India Ltd., or the Shipping Development Fund Committee or the Rehabilitation Industries Corporation of India Ltd., or an Electricity Board constituted under the Electricity (Supply) Act, 1948 or the State Trading Corporation of India Ltd., or the Rural Electrification Corporation Ltd., or the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., or the Agricultural Finance Corporation Ltd., or the State Industrial and Investment Corporation of Maharashtra Ltd., or the Gujarat Industrial Investment Corporation Ltd., or any other financial institution wholly owned by the Central Government or a State Government or any other financial institution that may be notified by the Reserve Bank in this behalf;
- (iv) any money received from any other company with the prior approval of the Reserve Bank;
 - (v) any money received by a mutual benefit financial company from its shareholders;
 - (vi) any money received from a person, who at the time of receipt of the money was or is a director of the company or any money received from its shareholders by a private company including a private company deemed to be a public company by virtue of the provisions of section 43A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) :

Provided that, in the case of any money received on or after the commencement of these directions, the person from whom the money is received, has furnished to the company at the time when the money is received, a declaration in writing that the money has not been given by him out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person;

- (vii) any money received from an employee of the company by way of security deposit;
- (viii) any money received by way of security or as an advance from any purchasing agent, selling agent or other agent in the course of or for the purpose of the business of the company or any advance received against orders for the supply of goods or properties or for the rendering of any service;
- (ix) any money raised by the issue of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties of the company or any part thereof, or any money raised by the issue of debentures or bonds with the option to convert such debentures or bonds into equity share capital :

Provided that in the case of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties, the amount of such debentures or bonds shall not exceed the market value of such immovable properties;

- (x) any money received by way of subscription to any shares or stock pending the allotment of such shares or stock or any money received by way of subscription to debentures or bonds of the type specified to clause (ix) of this paragraph pending the allotment of such debentures or bonds and any money received by way of calls in advance on shares in accordance with the company's articles of association so long as such money is not repayable to the shareholders under the articles of association of the company;
- (xi) any money received in trust or any money in transit.

Part II—Acceptance of Deposits

4. Acceptance of deposits by mutual benefit financial companies

- (1) On and from the 1st July 1977, no mutual benefit financial company shall accept or renew any deposit except from its shareholders.
- (2) For the avoidance of any doubt, it is hereby declared that a mutual benefit financial company may accept from

its shareholders deposits repayable on demand or on notice or repayable after any period specified in any contract between the company and its shareholders.

5. Acceptance of deposits by non-banking financial companies other than mutual benefit financial companies

(1) Period of deposits for hire-purchase finance, loan and investment companies

On and from the 1st July 1977, no hirepurchase finance or loan or investment company shall receive any deposit repayable on demand or on notice, or repayable after a period of less than six months and more than thirty-six months from the date of receipt of such deposit or renew any deposit received by it, whether before or after the aforesaid date, unless such deposit, on renewal, is repayable not earlier than six months and not later than thirty-six months from the date of such renewal :

Provided that where a hire-purchase finance or loan or investment company has, before the 1st July 1977, accepted deposits repayable after a period of more than thirty-six months such deposits shall, unless renewed in accordance with these directions, be repaid in accordance with the terms of such deposits;

Provided further that nothing contained in this sub-paragraph shall apply to monies raised by the issue of debentures or bonds.

(2) Period of deposits for housing finance companies

On and from the 1st July 1977, no housing finance company shall receive any deposit or renew any deposit whether received before or after the 1st July 1977 which is repayable on demand, or on notice, or repayable after a period of less than six months and more than sixty months from the date of receipt of such deposit or renew any deposit received by it, whether before or after the aforesaid date, unless such deposit, on renewal, is repayable not earlier than six months and not later than sixty months from the date of such renewal :

Provided that where a housing finance company has, before the 1st July 1977, accepted any deposit repayable after a period of more than sixty months such deposit shall, unless renewed in accordance with these directions be repaid in accordance with the terms of such deposit :

Provided further than nothing contained in this sub-paragraph shall apply in respect of monies raised by the issue of debentures or bonds.

(3) Restriction on acceptance or renewal of deposits in excess of ceilings as stipulated and regularisation of deposits accepted earlier and held in excess of the ceilings

(A) Hire-purchase finance companies

(i) On and from the 1st July 1977, no hire-purchase finance company shall receive or renew any deposit, which together with any other deposit already received and outstanding in the books of the company on the date of acceptance or renewal of such deposit, is in excess of ten times its net owned funds.

(ii) Where a hire-purchase finance company holds, as at the commencement of business on the 1st July 1977, deposits in excess of ten times its net owned funds, it shall reduce the excess by at least one-third before the 1st April 1978, and by at least another one-third before the 1st April 1979 and wipe off the balance before the 1st April 1980.

(B) Loan companies

On and from the 1st July 1977, no loan company shall receive or renew—

- (i) any deposit against an unsecured debenture or any deposit from a shareholder [not being a deposit received by a private company from its shareholders as is referred to in clause (vi) of paragraph 3] or any deposit guaranteed by any person who, at the time of giving of such guarantee, was or is a director of the company, if the amount of any such

deposit, together with the amount of such other deposits of all or any of the kinds referred to in this sub-clause and outstanding in the books of the company as on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds fifteen per cent of its net owned funds;

- (ii) any other deposit, if the amount of such deposit, together with the amount of such other deposits, not being deposits of the kind referred to in sub-clause (i) of this clause already received and outstanding in the books of the company on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds twenty five per cent of its net owned funds.

(C) Investment companies

(a) On and from the 1st July 1977, no investment company shall receive or renew—

- (i) any deposit against an unsecured debenture or any deposit from a shareholder [not being a deposit received by a private company from its shareholders as is referred to in clause (vi) of paragraph 3] or any deposit guaranteed by any person who, at the time of giving such guarantee, was or is a director of the company, if the amount of any such deposit, together with the amount of such other deposits of all or any of the kinds of deposits referred to in this sub-clause already received and outstanding in the books of the company as on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds fifteen per cent of its net owned funds;
- (ii) any other deposit, if the amount of such deposit together with the amount of such other deposits, not being deposits of the kinds referred to in sub-clause (i) of this clause, already received and outstanding in the books of the company as on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds twenty five per cent of its net owned funds :

Provided, however, that the aggregate amount of deposits of the kinds referred to in sub-clauses (i) and (ii) of this clause, received and outstanding in the books of the company shall not, as at the commencement of business on the 1st April 1978 exceed thirty five per cent of its net owned funds.

(b) On and from the 1st April 1978, no investment company shall receive or renew any deposit, if the amount of such deposit together with the amount of other deposits already received and outstanding in the books of the company as on the date of acceptance or renewal of such deposit exceeds thirty five per cent of its net owned funds :

Provided, however, that the amount of deposits received and outstanding in the books of the company shall not, as at the commencement of business on the 1st April 1979, exceed twenty five per cent of its net owned funds.

(c) On and from the 1st April 1979, no investment company shall receive or renew any deposit, if the amount of such deposit, together with the amount of other deposits, already received and outstanding in the books of the company, as on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds twenty five per cent of its net owned funds.

Explanation :

For the purposes of this paragraph, "net owned funds" shall mean the aggregate of the paid-up capital and free reserves as appearing in the latest audited balance sheet of the company as reduced by the amount of accumulated balance of loss, deferred revenue expenditure and other intangible assets, if any, as disclosed in the said balance sheet.

6. Special provision in respect of mutual benefit financial companies :

Where, as at the commencement of business on the 1st July 1977, any mutual benefit financial company holds deposits from persons other than its shareholders, the deposits shall be repaid in accordance with the terms of such deposits.

7. Particulars to be specified in application form soliciting deposits :

On and from the 1st July 1977, no non-banking financial company shall accept, renew or convert any deposit except on a written application from the depositor in the form to be supplied by the company, which form shall contain all the particulars specified in the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977, made under section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

8. Furnishing of receipts to depositors

(1) Every non-banking financial company shall furnish to every depositor or his agent, unless it has done so already, a receipt for every amount which has been or which may be received by the company by way of deposit before or after the date of commencement of these Directions,

(2) The said receipt shall be duly signed by an officer entitled to act for the company in this behalf and shall state the date of deposit, the name of the depositor, the amount in words and figures, received by the company by way of deposit, the rate of interest payable thereon and the date on which the deposit is repayable.

9. Register of deposits

(1) Every non-banking financial company shall keep one or more registers in which shall be entered separately in the case of each depositor the following particulars namely—

- (a) name and address of the depositor,
- (b) date and amount of each deposit,
- (c) duration and the due date of each deposit,
- (d) date and amount of accrued interest or premium on each deposit,
- (e) date and amount of each repayment, whether of principal, interest or premium,
- (f) any other particulars relating to the deposit.

(2) The register or registers aforesaid shall be kept at the registered office of the company and shall be preserved in good order for a period of not less than eight calendar years following the financial year in which the latest entry is made of the repayment or renewal of any deposit of which particulars are contained in the register :

Provided that if the company keeps the books of account referred to in sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) at any place other than its registered office in accordance with the proviso to that sub-section, it shall be sufficient compliance with this subparagraph if the register aforesaid is kept at such other place, subject to the condition that the company delivers to the Reserve Bank a copy of the notice filed with the Registrar under the proviso to the said sub-section within seven days of such filing.

10. Information to be included in the Board's report

(1) In every report of the Board of Directors laid before the company in general meeting under sub-section (1) of section 217 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) after the date of commencement of these directions, there shall be included in the case of a non-banking financial company, the following particulars or information, namely :

- (a) the total number of depositors of the company whose deposits have not been claimed by the depositors or paid by the company after the date on which the deposit became due for repayment or renewal as the case may be according to the contract with the depositor or the provisions of these directions, whichever may be applicable, and
- (b) the total amounts due to the depositors and remaining unclaimed or unpaid beyond the dates referred to in clause (a) as aforesaid.

(2) The said particulars or information shall be furnished with reference to the position as on the last day of the financial year to which the report relates and if the amounts

remaining unclaimed or undisbursed as referred to in clause (b) of the preceding sub-paragraph exceed in the aggregate the sum of rupees five lakhs there shall also be included in the report a statement on the steps taken or proposed to be taken by the Board of Directors for the repayment of the amounts due to the depositors and remaining unclaimed or undisbursed.

11. General provision regarding repayment of deposits

Where a company makes repayment of a deposit after the expiry of a period of six months from the date of such deposit but before the expiry of the period for which such deposit was accepted by the company, the rate of interest payable by the company on such deposit shall be reduced by two per cent from the rate which the company would have ordinarily paid had the deposit been accepted for the period for which such deposit had run and the company shall not pay interest at any rate higher than the rate as so reduced :

Provided that nothing contained in this paragraph shall apply to the repayment of any deposit before the expiry of the period for which such deposit was accepted by the company, if such repayment is made solely for the purpose of complying with the provisions of these directions.

Explanation

For the purpose of this paragraph, where the period for which the deposit had run contains any part of the year then, if such part is less than six months it shall be excluded and if such part is six months or more, it shall be reckoned as one year.

Part III—Special provisions relating to hire-purchase finance and housing finance companies

12. Maintenance of a minimum percentage of liquid assets

Every hire-purchase finance company and every housing finance company shall maintain in India (a) by way of cash with itself, or (b) in an account with a scheduled bank (free from any charge or lien) or (c) in unencumbered approved securities (such securities being valued at their market value for the time being) or partly in cash, partly in such account or partly in such securities, a sum which shall not at the close of business on any day be less than ten per cent of the deposits outstanding in the books of the company on that day.

Explanation

For the purpose of this paragraph :

- (a) "approved securities" means securities in which a trustee may invest money under clause (a), clause (b), clause (bb), clause (c), clause (d) or clause (ee) of section 20 of the Indian Trusts Act, 1882 (2 of 1882).
- (b) "unencumbered approved securities" shall include the approved securities lodged by the company with another institution for an advance or any other credit arrangement to the extent to which such securities have not been drawn against or availed of.
- (c) balances in deposit accounts to the extent to which such deposits have not been drawn against, shall be treated as liquid assets and taken into account.

Part IV—Miscellaneous

13. Copies of balance sheet and accounts together with the Directors' report to be furnished to the Reserve Bank

Every non-banking financial company shall deliver to the Reserve Bank unless it has done so already, an audited balance sheet as on the last date of each financial year and an audited profit and loss account in respect of that year as passed by the company in general meeting together with a copy of the report of the Board of Directors laid before the company in such meeting in terms of section 217(1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) within fifteen days of such meeting.

14. Returns to be submitted to the Reserve Bank

(1) Without prejudice to the provisions of paragraph 13, every non-banking financial company shall submit to the Reserve Bank a return furnishing the information specified in the First Schedule hereto, with reference to its position as on the date specified in the said Schedule.

(2) (i) Every non-banking financial company shall, not later than one month from the coming into force of these directions or from the commencement of business, whichever is later, deliver to the Reserve Bank, a written statement containing a list of—

- (a) the names and the official designations of its principal officers;
- (b) the names and residential addresses of the directors of the company; and
- (c) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the company, returns specified in sub-paragraph (1).

(ii) any change in the list referred to in clause (i) of this sub-paragraph shall be intimated to the Reserve Bank within one month from the occurrence of such change.

15. Balance sheet, returns etc. to be submitted to the Department of Non-Banking Companies

Any balance sheets, returns or information required to be submitted or furnished to the Reserve Bank in pursuance of these directions shall be submitted or furnished to the Regional Office of the Department of Non-Banking Companies of the Reserve Bank within whose jurisdiction the registered office of the company is situated, as specified in the Second Schedule hereto.

16. Statement in lieu of advertisement

Where a company intends to accept deposits without inviting or allowing or causing any other person to invite such deposits, it shall, before accepting deposits, deliver to the Regional Office of the Department of Non-Banking Companies of the Reserve Bank within whose jurisdiction its registered office is situated, for registration, a statement in lieu of advertisement containing all the particulars required to be included in the advertisement pursuant to the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977 and duly signed in the manner provided in the aforesaid Rules.

17. Exemptions

The Reserve Bank may, if it considers it necessary for avoiding any hardship or for any other just and sufficient reason, grant extensions of time to comply with or exempt any company or class of companies, from all or any of the provisions of these Directions either generally or for any specified period subject to such conditions as the Reserve Bank may impose.

18. Saving of action taken or that may be taken for contravention of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966.

It is hereby clarified that the supersession of the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1966 as amended from time to time, shall not in any way affect :—

- (i) any right, obligation or liability acquired, accrued or incurred thereunder;
- (ii) any penalty, forfeiture, or punishment incurred in respect of any contravention committed thereunder;
- (iii) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid,

and any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued or enforced and any such penalty, forfeiture or punishment may be imposed as if those Directions had not been superseded.

R. K. HAZARI
Deputy Governor

Seal :

FIRST SCHEDULE

(Please see paragraph 14 of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 and paragraph 11 of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977).

(To be filled in by all non-banking financial companies including miscellaneous non-banking companies).

RESERVE BANK OF INDIA**DEPARTMENT OF NON-BANKING COMPANIES
CALCUTTA/BOMBAY/BANGALORE/NEW DELHI**

Return as on the 31st March/30th September 197....

(Please see Instruction No. 1)

- (1) Name of the company.....
- (2) Code No. allotted to it.....
- (3) Full address of the :
 - (a) Registered Office
 - (b) Head/Administrative Office"
- (4) State in which the company is registered.....
- (5) No. of branches/offices@
- (6) Status* : Private/public limited company/branch of a foreign company.
- (7) Registration No. of the company.....
- (8) Date of :
 - (a) Incorporation
 - (b) Commencement of business'.....
- (9) Financial year of the company.....
- (10) Nature of business
- (11) Name(s) of the company's banker(s) and address(es)
- (12) Name of the company's auditors and address

* Strike off whatever is not applicable.

@ A list showing the names and addresses of the places where the branches/offices of the company are situated should be enclosed.

NOTE : The return, after compilation, should be sent to the concerned Regional Office of the Department as specified in paragraph 15 of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 or paragraph 12 of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 as the case may be.

INSTRUCTIONS FOR FILLING IN THE RETURN

1. The return should be submitted by a non-banking financial company covered by Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 once a year before the 30th June with reference to its position as on the 31st March and by a miscellaneous non-banking company covered by Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 twice a year before the 30th June and 31st December with reference to its position as on the 31st March and 30th September respectively irrespective of the date of the financial year of the company concerned.

2. The submission of the return should not be delayed for any reason such as the finalisation/completion of the audit of the annual accounts. The compilation of the return should be on the basis of the figures available in the books of account of the company.

3. The number of accounts should be given in actual figures while the amounts of deposits should be given in thousands of rupees. Amount should be rounded off to the nearest thousand and three zeros omitted. For example, an amount of Rs. 4,560 should be shown as 5 and not as 4.6 or 5000.

4. The periodwise classification of deposits should be made against the various heads under item No. 9 of Part A of the return according to the periods for which they have been originally received/last renewed and not according to the periods they have to run as from the 31st March/the 30th

September i.e. the date/s of the return. As regards the subscriptions received by the companies conducting business of the type referred to in paragraph 2(1) of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977, the period for which different schemes are to run under which subscriptions have been received may be mentioned against appropriate heads under item No. 9 of Part A.

5. "Free reserves" mentioned under item 1 of Part C shall include the balance in the share premium account, capital and debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet and created through an allocation of profits, but not being :—

- (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debts or
- (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company.

6. A list containing the names and the official designations of the principal officers as also the names and addresses of the directors of the company should be attached in case it has not so far been sent to the Reserve Bank as required by paragraph 14(2) of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 or by paragraph 11(2) of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 as the case may be.

7. The return should be signed by the Manager (as defined in Section 2 of the Companies Act, 1956) and, if there is no such Manager, by the Managing Director or any official of the company who has been duly authorised by the Board of Directors and whose specimen signature has been furnished to the Reserve Bank for the purpose. In case the specimen signature has not been furnished in the prescribed Card, the return may be signed by the authorised official and his specimen signature furnished separately.

8. In case there is nothing to report in any part of the return, it should be marked 'Nil' and the Manager's/Managing Director's/Authorised Official's Certificate appended to the return should be duly signed.

PART—"A"

Particulars of deposits outstanding as on the 31st March/30th September 19

Item No.	Particulars	Number of accounts	Amount (in thousands of rupees)
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Unsecured debentures [other than convertible or secured debentures vide Note (1) below]		
	Deposits received by a public company from its share-holders [vide note (2) below]		
3.	Deposits guaranteed by directors in their personal capacity		
4.	Total (1+2+3)		
5.	Money received under a "prize scheme" as referred to in paragraph 2(1) of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977		
6.	Any other deposits [vide note (3) below and note (1) of part "B"]		
7.	Total (5+6)		
8.	Total deposits (4+7)		

(1)	(2)	(3)	(4)
9.	of the table deposits at item 8 above, those repayable		
(i)	On demand or on notice or otherwise in less than 6 months		
(ii)	After a period of 6 months or more but up to 1 year		
(iii)	After a period of 1 year or more but upto 2 years		
(iv)	After a period of 2 Years or more but upto 3 Years		
(v)	After a period of 3 Years or more but up to 4 Years		
(vi)	After a period of 4 Years or more but up to 5 Years		
(vii)	After a period of 5 Years or more.		
10.	Total [9 (i) to (vii)] which should tally with 8 above.		
11.	Of the total deposits at 8 above, those free of interest and bearing interest (excluding brokerage, if any)*		
(i)	Free of interest		
(ii)	Below 6%		
(iii)	6% or more but less than 9%		
(iv)	9% or more but less than 11%		
(v)	11% or more but less than 13%		
(vi)	13% or more but less than 15%		
(vii)	15% or more		
12.	Total [11(i) to (vii)] which should tally with 8 above.		

*A statement showing the rates of interest on different types of deposits according to their period, e. g. for one year, two years, etc. should also be submitted along with this part of the return.

- Note : (1) The amount in respect of non-convertible portion of the debentures which are partly convertible and partly non-convertible, may be included under this item and the convertible portion may be shown against item 10 of Part "B".
- (2) If the company is a public company and a declaration as specified in Note (2) of Part "B" has not been obtained from its directors, such deposits should be shown against this item.
- (3) If the company is a private company and a declaration as specified in Note (2) of Part "B" has not been obtained, such deposits should be shown against this item.
- (4) The amounts shown in Part "B" should not be included in Part "A".

PART—“B”

Particulars of exempted borrowings, receipts, etc. not counting as deposits (vide paragraphs 3 and of the Notifications Nos. DNBC. 38/DG(H)-77 and DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June, 1977 respectively) as on the 31st March/30th September 19

Item No.	Particulars	Number of accounts	Amounts (in thousands of rupees)
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	Money received from the Central or State Government(s) or money received from others, repayment of which is guaranteed by the Central or State Government(s).		
2.	Money received from a local authority or a foreign Government or any other foreign citizen, authority or person.		
3.	Borrowings from banks and other specified financial institutions.		
4.	Money received from any other company with the prior approval of the Reserve Bank (vide Note 1 below)		
5.	Money received from shareholders by a company (including a private company) declared as a Nidhi under section 620A of the Companies Act, 1956.		
6.	Money received from directors (vide Note 2 below).		
7.	Money received by a private company (other than a "Nidhi") from the shareholders (vide Notes 2 and 3 below).		
8.	Money received from employees of the company by way of security deposit.		
9.	Money received by way of security or advance from purchasing, selling or other agents in the course of company's business or advance received against orders for supply of goods or properties or for rendering of services.		
10.	Money received by issue of debentures secured by mortgage of immovable properties or convertible debentures.		
11.	Money received by way of subscription to any shares or secured debentures pending allotment or money received by way of calls in advance on shares in accordance with the Articles of Association of the company so long as such amount is not repayable to the shareholders under the Articles of Association of the Company.		
12.	Money received in trust or money in transit.		
13.	Amounts relating to conventional chit fund/kuri transaction [vide paragraph 2(2) read with paragraph 4(i) of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977].		
(a)	Subscriptions from subscribers.		
(b)	Advance subscriptions.		
(c)	Money received from priz ed subscribers as security for future subscriptions.		
14.	Total (1 to 13)		

- Note : (1) In case the prior approval of Reserve Bank has not been obtained, such deposits should be classified under item No. 6 of Part "A".
- (2) Only money received from such persons on a declaration in writing that the money has not been given by such person out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person should be shown against these items. Otherwise, it should be shown against item Nos. 2 or 6 of Part "A" as the case may be, as indicated in Notes (2) and (3) of part "A".
- (3) Money received from the shareholders of a private company deemed as a public company under section 43A of the Companies Act, 1956 should also be included under this item subject to the obtaining of declaration referred to in Note (2) above.

PART "C"

Statement showing the "net owned funds", matured deposits and comparative position of deposits.

Amounts (in thousands of rupees)

1. Net owned funds (figures to be furnished as per the last audited balance sheet preceding the date of the return—Date of the balance sheet to be specified).

Paid-up capital

Free reserves

Total

Less

(i) Accumulated balance of loss _____

(ii) Balance of deferred revenue expenditure _____

(iii) Other intangible assets (specify) _____

Net owned funds

2. Matured deposits as on the date of the return, i.e. as on the 31st March/30th September 19.... (vide note below)

(i) Those which have not been claimed _____

(ii) Those claimed but not paid _____

3. Comparative position of deposits as on the date of the return, i.e. as on the 31st March/30th September 19....

Balance outstanding as on the date of the previous return

Amount of deposits accepted/renewed during the year/half-year

Total :

Less amount of deposits repaid by payment or renewal during the year/half-year

Balance of deposits outstanding at the end of the year/half-year

Note : If the aggregate amount of deposits not repaid exceeds Rs. 5 lakhs, the reasons for non-payment of each deposit and the steps taken for repayment should be indicated in an Annexure.

PART "D"

Statement showing outstanding loans and advances
As on the 31st March/
30th September 19....

Item No.	Name of Party	Amounts (in thousands of rupees)
----------	---------------	----------------------------------

I. Companies in the same group [as defined in section 372(11) of Companies Act, 1956]

(a)

(b)

(c)

(d)

etc.

(please specify the names and amounts due from individual companies)

Total

II. Others

(a) Companies not in the same group

(b) Directors

(c) Shareholders

(d) Chief Executive Officer and other employees

(e) Purchasing, Selling or other Agents

(f) Others

Total

III. Grand Total (I+II)

Note : (1) Sundry debtors, tax paid in advance and other recoverable items not in the nature of loans and advances should not be shown in this statement.

(2) Fixed deposits with other companies should be included under item I or item II(a), as the case may be, and not in Part "E"

PART—"E"**STATEMENT SHOWING INVESTMENTS**

As on the 31st March/
30th September 197....

Item No.	Particulars	Amounts (in thousands of rupees)
----------	-------------	----------------------------------

I. Shares and debentures of companies in the same group [as defined in section 372(11) of the Companies Act, 1956]

(a)

(b)

(c)

(d)

etc.

(Please mention the names and amounts invested in individual companies)

Total

II. Shares and debentures of companies not in the same group

Total

III. Other investments (such as investments in Government and other Trustee securities, fixed deposits with banks and investments in units of the Unit Trust of India)

(Please specify)

Total

IV. Grand Total (I+II+III)

Note : Details of shares and debentures whether held in investment account or by way of stock-in-trade should be included in this part.

PART—"F"

STATEMENT SHOWING HIRE-PURCHASE BUSINESS FOR THE YEAR/
HALF-YEAR ENDED 31ST MARCH/30 TH SEPTEMBER 19—

(Amounts in thousands of rupees)

Item	Nature of goods No. on hire	Number of accounts.	Outstanding credit at the end of the year/half-year ended 31st March/ 30th September 197..
(a) Automobiles:			
(i) Trucks and lorries	..		
(ii) Cars	..		
(iii) Scooters	..		
(iv) Others	..		
(b) Household durables:			
(i) Radio receivers	..		
(ii) Fans	..		
(iii) Refrigerators	..		
(iv) Sewing Machines	..		
(v) Television sets	..		
(vi) Others	..		
(c) Agricultural implements: (Tractors, bulldozers, etc)	..		
(d) Industrial machinery or tools or equipment for use in industry;	..		
(e) All others	..		
Total (a+b+c+d+e)	..		

PART—"G"

(To be filled in only by hire-purchase finance and housing finance companies)

Particulars relating to deposits and liquid assets, i.e. items 1 and 2 below, should contain the data as at *the end of each month* for a period of twelve months ending on the 31st March of the year, with reference to which the return is submitted.

Amounts (in thousands of rupees)

Item	Particulars	Previous year										Current year		
		No.	April	May	June	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.	March
1.	Deposits as shown against item No. 8 of Part "A"													
2.	Liquid Assets*													
	(a) Cash in hand													
	(b) Balance in curr- ent or any other deposit account with scheduled banks free from any charge or lien.													
	(c) Investments in unencumbered securities of the Central Govern- ment or the State Government(s) or in other unencumbered securities in which a Trustee is entitled to invest trust money.													
3.	Ratio of 2 to 1													
4.	Reasons for de- fault, if any													

*Please see paragraph 12 of the Notification No. DNBC. 38/DG (H)-77 dated the 20th June 1977.

PART "H" Ownership of Deposits As on the 31st March/30th September 19....		
	No. of Accounts	Amounts (in thou- sands of rupees)
1. Up to Rs. 5,000/-		
2. Rs. 5,001/- to Rs. 10,000/-		
3. Rs. 10,001/- to Rs. 25,000/-		
4. Rs. 25,001/- to Rs. 50,000/-		
5. Rs. 50,001/- to Rs. 1,00,000/-		
6. Over Rs. 1,00,000/-		
Total		

Note : (i) Number of accounts and the amounts to be calculated in respect of each deposit.

(ii) The totals should tally with those shown at item No. 8 of Part 'A' of the return.

Certificate

*Manager's/Managing Director's/
Authorised Official's Certificates :

- (1) Certified that declarations have been obtained in writing, as required in terms of the proviso to paragraph 3(vi) of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977/the proviso to paragraph 4(vi) of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 as the case may be from the directors and/or shareholders that the money has not been given by them to the company out of the funds acquired by them by borrowing or accepting deposits from other persons.
- (2) Certified that deposits have been accepted, renewed or converted on and from the 1st July 1977 in the manner prescribed in paragraph 5 of the Notifications Nos. DNBC. 38 or 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 as the case may be.
- (3) Certified that the company has complied with the requirements of paragraphs 6, 7 and 8 of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 or paragraphs 6 and 7 of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977.
- (4) Certified that the Registers of deposits are being maintained on the lines indicated in paragraph 9 of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June 1977 or paragraph 8 of Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977.
- (5) Certified that the particulars/information furnished in the return have been verified and found to be correct and complete in all respects.

(Strike off whichever certificate is not applicable).

Date :

Signature of *Manager/Managing
Director/Authorised Official

Place :

Name :
Designation :

Enclosures to the return

The following documents should be submitted along with the return in case they have not already been sent. Please tick in the box against the item for the document enclosed and state the date of submission in other cases.

- (1) A copy of the audited balance sheet and profit and loss account dated nearest to the date of this return
- (2) Specimen signature card (Please see Instruction No. 7)

(3) A copy of the application form referred to in paragraph 7 of the Notification No. DNBC. 38/DG(H)-77 dated the 20th June, 1977 and paragraph 6 of the Notification No. DNBC. 39/DG(H)-77 dated the 20th June 1977.

(4) A list of principal officers and the names and addresses of directors (Please see Instruction No. 6)

*Strike off whichever is not applicable.

SECOND SCHEDULE

(Please see paragraph 15 of the Directions)
Areas under the jurisdiction
of each Regional Office
of the Reserve Bank.

Name & Address of the Office	Region	Areas under jurisdiction
1. Calcutta Regional Office, 15, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001.	Eastern	States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Tripura, West Bengal, Bihar and Orissa and the Union Territories of Arunachal Pradesh, Mizoram and Andaman & Nicobar Islands.
2. Bombay Regional Office, Eros Building, 5th floor, Churchgate, Bombay-400020.	Western	States of Gujarat, Madhya Pradesh and Maharashtra and the Union Territories of Dadra & Nagar Haveli and Goa, Daman and Diu.
3. Bangalore Regional Office, 10-3-8, Nrupathunga Road, Bangalore-560002.	Southern	States of Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu and Kerala and the Union Territories of Pondicherry and the Lakshadweep.
4. New Delhi Regional Office, 6, Parliament Street, New Delhi-110001.	Northern	States of Jammu and Kashmir, Punjab, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh and Himachal Pradesh and the Union Territories of Chandigarh and Delhi.

COUNTERSIGNED

Sd/-

Chief Officer
Department of Non-Banking Companies

Calcutta-700 001, the 20th June 1977

Ref. No. DNBC.39/DG(H)-77.—The Reserve Bank of India having considered it necessary in the public interest and being satisfied that for the purpose of enabling the Bank to regulate the credit system to the advantage of the country, it is necessary to give the directions set out below, hereby, in exercise of the powers conferred by sections 45J, 45K and 45L of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) and of all the powers enabling it in this behalf, and in supersession of the earlier Directions contained in Notification No. DNBC. 21/DG(S)-73 dated the 23rd August 1973 as amended from time to time, gives to every miscellaneous non-banking company the directions hereinafter specified.

*Part I—Preliminary***1. Short title and commencement of the directions :**

These directions shall be known as the Miscellaneous Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1977. They shall come into force with effect from the 1st July 1977 and any reference in these directions to the date of commencement thereof shall be deemed to be a reference to that date.

2. Extent of the directions :

These directions shall apply to every financial institution which is a company and which carries on any of the following types of business :—

- (1) collecting whether as a promoter, foreman, agent or in any other capacity, monies in one lump sum or in instalments by way of contributions, or subscriptions or by sale of units, certificates or other instruments or in any other manner or as membership fees or admission fees or service charges to or in respect of any savings, mutual benefit, thrift, or any other scheme or arrangement by whatever name called, and utilising the monies so collected or any part thereof or the income accruing from investment or other use of such monies for all or any of the following purposes :—
 - (a) giving or awarding periodically or otherwise to a specified number of subscribers as determined by lot, draw or in any other manner, prizes or gifts in cash or in kind, whether or not the recipient of the prize or gift is under a liability to make any further payment in respect of such scheme or arrangement;
 - (b) refunding to the subscribers or such of them as have not won any prize or gift, the whole or part of the subscriptions, contributions, or other monies collected, with or without any bonus, premium, interest or other advantage, however called, on the termination of the scheme or arrangement, or, on or after the expiry of the period stipulated therein;
- (2) managing, conducting or supervising as a promoter, foreman or agent of any transaction or arrangement by which the company enters into an agreement with a specified number of subscribers that every one of them shall subscribe a certain sum in instalments over a definite period and that every one of such subscriber shall in his turn, as determined by lot or by auction or by tender or in such other manner as may be provided for in the agreement be entitled to the prize amount;

Explanation :

For the purposes of this sub-paragraph, the expression "prize amount" shall mean the amount, by whatever name it be called, arrived at by deduction from out of the total amount subscribed at each instalment by all subscribers, (a) the commission charged by the company or service charges as a promoter or a foreman or an agent and (b) any sum which a subscriber agrees to forgo, from out of the total subscriptions of each instalment, in consideration of the balance being paid to him.

- (3) conducting any other form of chit or kuri which is different from the type of business referred to in sub-paragraph (2) above;
- (4) undertaking or carrying on or engaging in or executing any other business similar to the business referred to in sub-paragraphs (1) to (3).

3. Definitions :

In these directions, unless the context otherwise requires,

- (a) "banking company" means a banking company as defined in section 5(c) of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949);
- (b) "company" means a company as defined in section 451(a) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) but does not include a company which is being wound up under any law for the time being in force;

(c) "deposit" shall have the same meaning as assigned to it in section 451(bb) of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);

(d) "depositor" means any person who has made a deposit with the company;

(e) "foreman" means a person who under the chit or kuri agreement or any other scheme or arrangement is responsible for the conduct of the chit or kuri or such scheme or arrangement;

(f) "free reserves" shall include the balance in the share premium account, capital and debenture redemption reserves and any other reserve shown or published in the balance sheet of a company and created through an allocation of profits, not being (i) a reserve created for repayment of any future liability or for depreciation in assets or for bad debt, or (ii) a reserve created by revaluation of the assets of the company;

(g) "miscellaneous non-banking company" means a company carrying on all or any of the types of business referred to in paragraph 2 of these directions;

(h) words or expressions used but not defined herein and defined in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall have the same meaning as assigned to them in that Act. Any other words or expressions not defined herein or in the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934) shall have the same meaning as assigned to them in the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

4. Non-applicability of the directions to certain types of deposits of money :

Nothing contained in paragraphs 5 to 9 and 13 of these Directions shall apply to the following types of deposits received by a miscellaneous non-banking company, namely :—

(i) any money received or collected under a transaction or arrangement referred to in sub-paragraph (2) of paragraph 2;

(ii) Any money received from the Central Government or a State Government or any money received from any other source and the repayment of which is guaranteed by the Central Government or a State Government or any money received from a local authority or a foreign Government or any other foreign citizen, authority or person;

(iii) any money received from a banking company or from the State Bank of India or from a banking institution notified by the Central Government under section 51 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) or a corresponding new bank as defined in section 2 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970) or from a co-operative bank as defined in clause (b) (ii) of section 2 of the Reserve Bank of India Act, 1934 (2 of 1934);

(iv) any loan received from the Industrial Development Bank of India established under the Industrial Development Bank of India Act, 1964 (18 of 1964) or the Industrial Credit and Investment Corporation of India Ltd., established under the Indian Companies Act, 1913 (7 of 1913) or the Industrial Finance Corporation of India established under the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (15 of 1948) or the Industrial Reconstruction Corporation of India Ltd., or the Life Insurance Corporation of India established under the Life Insurance Corporation Act, 1956 (31 of 1956) or a State Financial Corporations Act, 1951 (63 of 1951) or the Unit Trust of India established under the Unit Trust of India Act, 1963 (52 of 1963) or the General Insurance Corporation of India and its subsidiaries or the Tamil Nadu Industrial Investment Corporation Ltd. or the National Industrial Development Corporation of India Ltd., or the Shipping Development Fund Committee or the Rehabilitation Industries Corporation of India Ltd., or an Electricity Board constituted

under the Electricity (Supply) Act, 1948 or the State Trading Corporation of India Ltd., or the Rural Electrification Corporation Ltd., or the Minerals and Metals Trading Corporation of India Ltd., or the Agricultural Finance Corporation Ltd., or the State Industrial and Investment Corporation of Maharashtra Ltd., or the Gujarat Industrial Investment Corporation Ltd., or any financial institution wholly owned by the Central Government or a State Government or any other financial institution that may be notified by the Reserve Bank in this behalf;

(v) any money received from any other company with the prior approval of the Reserve Bank;

(vi) any money received from a person who, at the time of the receipt of the money was or is a director of the company or any money received from its shareholders by a private company including a private company deemed to be a public company by virtue of the provisions of section 43A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956);

Provided that, in the case of any money received on or after the commencement of these directions, the person from whom the money is received has furnished to the company at the time when the money is received, a declaration in writing that the money has not been given by him out of funds acquired by him by borrowing or accepting deposits from another person;

(vii) any money received from an employee of the company by way of security deposit;

(viii) any money raised by the issue of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties of the company or any part thereof, or any money raised by the issue of debentures or bonds with the option to convert such debentures or bonds into equity share capital :

Provided that in the case of debentures or bonds secured by the mortgage of immovable properties, the amount of such debentures or bonds shall not exceed the market value of such immovable properties;

(ix) any money received by way of subscription to any shares or stock pending the allotment of such shares or stock or any money received by way of subscription to debentures or bonds of the type specified in clause (viii) of this paragraph, pending the allotment of such debentures or bonds and any money received by way of calls in advance on shares in accordance with the company's articles of association so long as such money is not repayable to the shareholders under the articles of association of the company.

Part II—Acceptance of Deposits

5. Acceptance of deposits by miscellaneous non-banking companies :

On and from the 1st July 1977 no miscellaneous non-banking company shall—

(a) receive any deposit repayable on demand, or on notice, or repayable after a period of less than six months and more than thirty-six months from the date of receipt of such deposit or renew any deposit received by it whether before or after the aforesaid date unless such deposit, on renewal, is repayable not earlier than six months and not later than thirty-six months from the date of such renewal :

Provided that where a miscellaneous non-banking company has, before the 1st July 1977, accepted deposits repayable after a period of more than thirty-six months, such deposits shall, unless renewed in accordance with these directions, be repaid in accordance with the terms of such deposits .

Provided further that nothing contained in this clause shall apply to monies raised by the issue of debentures or bonds;

(b) receive or renew—

- (i) any deposit against an unsecured debenture or any deposit from a shareholder [not being a deposit received by a private company from its shareholders as is referred to in clause (vi) of paragraph 4] or any deposit guaranteed by any person who, at the time of giving of such guarantee, was or is a director of the company, if the amount of any such deposit, together with the amount of such other deposits of all or any of the kinds of deposits referred to in this sub-clause already received and outstanding in the books of the company as on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds fifteen per cent of its net owned funds;
- (ii) any other deposit, if the amount of such deposit, together with the amount of such other deposits not being deposits of the kinds referred to in sub-clause (i) of this clause, already received and outstanding in the books of the company as on the date of acceptance or renewal of such deposit, exceeds twenty-five per cent of its net owned funds.

Explanation :

For the purposes of this paragraph "net owned funds" shall mean the aggregate of the paid-up capital and free reserves as appearing in the latest audited balance sheet of the company as reduced by the amount of accumulated balance of loss, deferred revenue expenditure and other intangible assets, if any, as disclosed in the said balance sheet.

6. Particulars to be specified in application form soliciting deposits :

On and from the 1st July 1977 no miscellaneous non-banking company shall accept, renew or convert any deposit except on a written application from the depositor in the form to be supplied by the company, which form shall contain all the particulars specified in the Non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977 made under section 58A of the Companies Act, 1956 (1 of 1956).

7. Furnishing of receipts to depositors :

- (1) Every miscellaneous non-banking company shall furnish to every depositor or his agent, unless it has done to already, a receipt for every amount which has been or which may be received by the company by way of deposit before or after the date of commencement of these Directions.
- (2) The said receipt shall be duly signed by an officer entitled to act for the company in this behalf and shall state the date of deposit, the name of the depositor, the amount in words and figures, received by the company by way of deposit, the rate of interest payable thereon and the date on which the deposit is repayable.

8. Register of deposits :

- (1) Every miscellaneous non-banking company shall keep one or more registers in which shall be entered separately in the case of each depositor the following particulars, namely—
 - (a) name and address of the depositor,
 - (b) date and amount of each deposit,
 - (c) duration and the due date of each deposit,
 - (d) date and amount of accrued interest or premium on each deposit,
 - (e) date and amount of each repayment, whether of principal, interest or premium.
 - (f) any other particulars relating to the deposit.

- (2) The register or registers aforesaid shall be kept at the registered office of the company and shall be preserved in good order for a period of not less than

eight calendar years following the financial year in which the latest entry is made of the repayment or renewal of any deposit of which particulars are contained in the register:

Provided that if the company keeps the books of account referred to in sub-section (1) of section 209 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) at any place other than its registered office in accordance with the proviso to that sub-section, it shall be sufficient compliance with this sub-paragraph if the register aforesaid is kept at such other place, subject to the condition that the company delivers to the Reserve Bank a copy of the notice filed with the Registrar under the proviso to the said sub-section within seven days of such filing.

9. Information to be included in the Board's report :

- (1) In every report of the Board of Directors laid before the company in general meeting under sub-section (1) of section 217 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) after the date of commencement of these directions, there shall be included in the case of a miscellaneous non-banking company, the following particulars or information, namely :
 - (a) the total number of depositors of the company whose deposits have not been claimed by the depositors or paid by the company after the date on which the deposit became due for repayment or renewal as the case may be according to the contract with the depositor or the provisions of these directions, whichever may be applicable; and
 - (b) the total amounts due to the depositors and remaining unclaimed or unpaid beyond the dates referred to in clause (a) as aforesaid.
- (2) The said particulars or information shall be furnished with reference to the position as on the last date of the financial year to which the report relates and if the amounts remaining unclaimed or undisbursed as referred to in clause (b) of the preceding subparagraph exceed in the aggregate the sum of rupees five lakhs, there shall also be included in the report a statement on the steps taken or proposed to be taken by the Board of Directors for the repayment of the amount due to the depositors and remaining unclaimed or undisbursed.

Part III—Miscellaneous

10. Copies of balance sheet and accounts together with Directors' report to be furnished to the Reserve Bank :

Every miscellaneous non-banking company shall deliver to the Reserve Bank unless it has done so already, an audited balance sheet as on the last date of each financial year and an audited profit and loss account in respect of that year as passed by the company in general meeting together with a copy of the report of the Board of Directors laid before the company in such meeting in terms of Section 217(1) of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) within fifteen days of such meeting.

11. Returns to be submitted to the Reserve Bank :

- (1) Without prejudice to the provisions of paragraph 10 every miscellaneous non-banking company shall submit to the Reserve Bank a return, furnishing the information specified in the First Schedule hereto, with reference to its position as on the dates specified in the said Schedule.
- (2) (i) Every miscellaneous non-banking company shall not later than one month from the coming into force of these directions or from the commencement of business whichever is later, deliver to the Reserve Bank, a written statement containing a list of—
 - (a) the names and the official designations of its principal officers;
 - (b) the names and residential addresses of the directors of the company; and

(c) the specimen signatures of the officers authorised to sign on behalf of the company, returns specified in sub-paragraph (1).

(ii) Any change in the list referred to in clause (i) of this sub-paragraph shall be intimated to the Reserve Bank within one month from the occurrence of such change.

12. Balance sheet, returns etc. to be submitted to the Department of Non-Banking Companies :

Any balance sheets, returns or information required to be submitted or furnished to the Reserve Bank in pursuance of these directions shall be submitted or furnished to the Regional Office of the Department of Non-Banking Companies of the Reserve Bank within whose jurisdiction the registered office of the company is situated as specified in the Second Schedule hereto.

13. Statement in lieu of advertisement :

Where a company intends to accept deposits without inviting or allowing or causing any other person to invite such deposits, it shall, before accepting deposits, deliver to the Regional Office of the Department of Non-Banking Companies of the Reserve Bank within whose jurisdiction its registered office is situated, for registration, a statement in lieu of advertisement containing all the particulars, required to be included in the advertisement pursuant to the non-Banking Financial Companies and Miscellaneous Non-Banking Companies (Advertisement) Rules, 1977 and duly signed in the manner provided in the aforesaid Rules.

14. Exemptions :

The Reserve Bank may, if it considers it necessary for avoiding any hardship or for any other just and sufficient reason, grant extensions of time to comply with or exempt any company or class of companies, from all or any of the provisions of these Directions either generally or for any specified period subject to such conditions as the Reserve Bank may impose.

15. Non-applicability of certain other directions :

Nothing contained in the Non-Banking Financial Companies (Reserve Bank) Directions, 1977 shall apply to a financial institution of the type referred to in paragraph 2 of these Directions.

16. Saving of action taken or that may be taken for contravention of the Miscellaneous Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1973 :

It is hereby clarified that the supersession of the Miscellaneous Non-Banking Companies (Reserve Bank) Directions, 1973 as amended from time to time, shall not in any way affect—

- (i) any right, obligation or liability acquired, accrued or incurred thereunder;
- (ii) any penalty, forfeiture, or punishment incurred in respect of any contravention committed thereunder;
- (iii) any investigation, legal proceeding or remedy in respect of any such right, privilege, obligation, liability, penalty, forfeiture or punishment as aforesaid, and

any such investigation, legal proceeding or remedy may be instituted, continued or enforced and any such penalty forfeiture or punishment may be imposed as if those Directions had not been superseded.

R. K. HAZARI
Deputy Governor.

SECOND SCHEDULE

(Please see paragraph 12 of the Directions)
Areas under the jurisdiction of each Regional Office of the Reserve Bank

Name & address of the Office	Region	Areas under jurisdiction
1. Calcutta Regional Office, Eastern 15, Netaji Subhas Road, Calcutta 700001.		States of Assam, Meghalaya, Nagaland, Manipur, Tripura, West Bengal, Bihar and Orissa and the Union Territories of Arunachal Pradesh, Mizoram and Andaman & Nicobar Islands.
2. Bombay Regional Office, Western Eros Building, 5th floor, Churchgate, Bombay 400020.		States of Gujarat, Madhya Pradesh, and Maharashtra and the Union Territories of Dadra and Nagar Haveli and Goa, Daman & Diu.
3. Bangalore Regional Office, 10-3-8, Nrupathunga Road, Bangalore 560002.	Southern	States of Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu and Kerala and the Union Territories of Pondicherry and the Lakshadweep.
4. New Delhi Regional Office, 6, Parliament Street, New Delhi 110001.	Northern	States of Jammu & Kashmir, Punjab, Haryana, Rajasthan, Uttar Pradesh and Himachal Pradesh and the Union Territories of Chandigarh and Delhi

Sd./-

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS
OF INDIA

New Delhi-110002, the 16th June 1977

No. 4-CA(1)/5/77-78.—In pursuance of Regulation 16 of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by clause (a) of Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India, has removed from the Register of Members of this Institute on account of death, with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen.—

S. No.	M. No.	Name and address	Date of Removal
1.	383	Shri K. J. H. Hartley M/S. Price Waterhouse, Peat & Co, Chartered Accountants, B4, Gillander House, Netaji Subhas Road, Calcutta-700001	23-5-77
2.	1142	Shri S. K. Chaudhuri, Flat No. 25, 15, Saro Chatterjee Avenue, Calcutta-700029.	11-9-75
3.	1752	Shri Ranjilal Chunilal Mazmudar 376A, Topiwala Motor Mansion, 2nd Floor, Opp. Central Bank, Sardar V. P. Road, Bombay-4.BR.	13-5-77
4.	8440	Shri A. B. Kotkar, "Saraswati Sadan" Behind Town Hall, Thana-400601.	8-5-77

No. 8CA (1) /6/77-78.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10 (1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964 it is hereby notified that the Certificate of Practice issued to the following members shall stand cancelled for the period mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S. No.	Mem-ber-ship No.	Name and address	Period dur-ing which the Cer-tificate shall stand Cancelled.
1.	12283	Shri P. J. Shah, A. C. A. 7/107, Azad Nagar, J. P. Road, Bombay-58.	1-4-77
2.	14567	Shri Pannalal S. Shan, A. C. A. C/o Chandan Metal Products Private Limited, Gorwa Road, Baroda-390003.	1-4-77
3.	14752	Shri Dinesh-Chandra Gordhandas Gandhi, A. C. A. 17/A, Shri Hari Colony, Opp. Icc Factory, Ajwa Road, Outside Panigate, Baroda-6.	3-5-77
4.	17555	Shri Perveen Kumar Tandon, A.C.A., 1943 Rani Bagh, New Delhi-34.	9-12-76
5.	30194	Mrs. Kanchan U. Chitale, A. C. A. 167/C, Dr. Ambedkar Road, Dadar, Bombay-400014.	1-4-77

The 20th June 1977

No. 50-RSA(55) /52.—In pursuance of Sub-Rule (3) of Rule 4 of the Certified Auditors Rules, 1961, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Sub-Rule (2) of Rule 4 of the said Rules, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Certified Auditors with effect from 1st May, 1977, the name of Shri C. Ramaraao, Certified Auditor No. 55, No. 77, III Block, Thiyagarajanagar, Bangalore-560028 in view of his Certified Auditor's Certificate No. 55 having been cancelled under Rule 8(2) of the above Rules as from that date.

The 21st June 1977

No. 8SCA (1) /5/77-78.—In pursuance of Clause (iii) of Regulation 10(1) of the Chartered Accountants Regulations, 1964, it is hereby notified that the Certificate of practice issued to the following members shall stand cancelled from the dates mentioned against their names, as they do not desire to hold their Certificate of Practice.

S. No.	M. No.	Name & Address	Date of cancellation
1.	11105	Shri M. Jayarajan F.C.A. Govindapuram Cherakkara Tellicherry.	1-4-1977
2.	18748	Shri T. R. Varadarajan A.C.A. No. 187-Y-3rd Block Rajajinagar Bangalore-560 010.	31-3-1976
3.	18945	Shri M. A. Padmanabhan A.C.A. 1-10-19, Ashok Nagar Hyderabad-20.	6-6-1977

P. S. GOPALAKRISHNAN, Secy.

Bhabha Atomic Research Centre

Personnel Division

Bombay-400085, the 1st July 1977

NOTICE

No. P/1678/OES/Estt.IV/5225.—The following order which was sent by Registered A.D. to Shri K. N. P. Pillai, T'Man 'C' of this Research Centre at his Omelloor Post Office

address on 28.2.77 and on 28.4.77 at Kozhenchery Post Office address has been returned undelivered by the postal authorities with remarks dated 8.3.77 and 23.5.77 as "Not in station, present address not known". The order is therefore published in the gazette.

"ORDER"

In pursuance of sub-rule (1) of Rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules 1965, I hereby give notice to Shri K. N. P. Pillai, temporary Tradesman 'C', Opto-electronics Section of this Research Centre that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on or, as the case may be tendered to him.

Sd./s
(P. R. MER),
Head, Personnel Division.

Shri K. N. P. Pillai,
C/o. Raghavan Nair,
Mekkattu House,
Omalloor P.O.,
Pathanamthitta,
KERALA

Shri K. N. P. Pillai,
Kozhenchery P.O.,
Kezhenchery P.O.,

(P. R. MER),
Head, Personnel Division.
KERALA".

holders of the INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA will be held on Monday, the 26th September, 1977 at 4.00 P.M. (Standard Time) at Hotel Imperial, Janpath, New Delhi, to transact the following business :

- (1) To read and consider the Balance Sheet of the Corporation and the Profit and Loss Account for the year ending the 30th June, 1977, together with the Report by the Board on the working of the Corporation for the year and the Auditors' Report on the said Balance Sheet and Accounts.
- (2) To elect one Director each in place of (i) Shri P. C. D. Nambiar, (ii) Shri J. Matthan and (iii) Shri J. U. Patel, being Directors elected to represent shareholders referred to in clauses (c), (d) and (e) of sub-section (1) of Section 10 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 respectively, who retire, but are eligible for re-election under Section 11 of the Act.
- (3) To elect under Section 34 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948, one Auditor duly qualified to act as Auditor of Companies under Section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) by the parties mentioned in sub-section (3) of Section 4 of the Industrial Finance Corporation Act, namely scheduled banks, insurance companies, investment trusts and other like financial institutions, and co-operative banks, in place of Messrs. Haribhakti & Company, Chartered Accountants, Bombay, who retire, but are eligible for re-election.

R. B. MATHUR
General Manager.

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION REGIONAL OFFICE (ORISSA)

Cuttack-1, the 4th May 1977

CORRIGENDUM

No. OR/Adm-1(215)/D/CDR/76.—In supersession to this notification No. OR/Adm-1(215)/D/CDR/76 dt. 6.9.76, published in the Government of India Gazette dt. 2.10.76, it is hereby notified that Sri Babaji Kunwar, member of the Kalinga Tubes Sramik Congress will act as a member of the Local Committee, Choudwar in place of Sri Khirod Chandra Sahoo.

The 1st June 1977

No. OR/Adm-1(215)/N-KBL/76.—In supersession to notification No. OR/Adm-1(215)/73-III dt. 16.5.75 published in the Government of India Gazette dt. 14.6.75 it is hereby notified that the Manager, Local Office, Rourkela will act as Secretary-cum-Member of the Local Committee, Kansbahal in place of Manager, Local Office, Rajgangpur.

No. OR/Adm-1(215)/O-Barbil/76.—In supersession to notification No. OR/Adm-1(215)/73-III dated 24.5.1976, published in Government of India Gazette dt. 21.6.1975 it is hereby notified that the Manager, Local Office, Rourkela will act as Secretary-cum-Member of the Local Committee, Barabil in place of Manager, Local Office, Rajgangpur.

R. N. MATHUR,
Regional Director.

INDUSTRIAL FINANCE CORPORATION OF INDIA

New Delhi, the 5th July 1977

NOTICE

No. 6/77.—Notice is hereby given that the TWENTYNINTH ANNUAL GENERAL MEETING of the share-

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-1, the 5th July 1977

No. AE/1/5/Sec.20/77/33612.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR-334 (E), dated the 27th July, 1974, published at page 1500 of Gazette of India Extraordinary Part II-Section 3, Sub-section (i) dated the 27th July, 1974, and in exercise of powers conferred by Sub-section (2), (3) and (4) of the section 20 of the Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 (No. 37 of 1974), I, K. S. Naik, Central Provident Fund Commissioner, hereby rescind the notification published at page 935 of the Gazette of India, Part III-Section IV dated the 24th January, 1976 (Magha 4, 1897) so far it relates to Shri T. D. Chopra.

No. AE/1(5)Sec.20/77/33617.—In pursuance of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. GSR-334(E), dated the 27th July, 1974, published at Page 1500 of Gazette of India Extraordinary Part II—Section 3, Sub-section (i) dated the 27th July, 1974, and in exercise of powers conferred by Sub-section (2), (3) and (4) of the section 20 of the Additional Emoluments (Compulsory Deposit) Act, 1974 (No. 37 of 1974), I, K. S. Naik, Central Provident Fund Commissioner, hereby authorise Shri O. P. Bajaj as officer for the purpose of said Act and the Scheme framed thereunder in respect of employers of the employee (other than employees referred to in clauses (a) and (b) of Section 3 of the said Act) to exercise jurisdiction over whole of the Union Territory of Delhi.

K. S. NAIK,
Central Provident Fund Commissioner.

